श्रावण शुक्ल - 4 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 17 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 08-08-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवा सकते हैं तो विनेश को न्याय क्यों नहीं दिलवा सकते : कांग्रेस

6 पड़ोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिन्ता

7 'द राजा साब' में प्रभास के साथ काम करेंगी मालविका मोहनन

फर्स्ट टेक

दक्षिणी कैलिफोर्निया में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया

लॉस एंजिलिस/एपी। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के दक्षिणी हिस्से में मंगलवार रात 5.2 तीव्रता का भूकंप आया, लेकिन अभी तक इससे किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में मंगलवार रात नौ बजकर नौ मिनट पर भूकंप आया और रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। उसने बताया कि भूकंप का केंद्र लॉस एंजिलिस से लगभग 85 मील (137 किलोमीटर) दूर स्थित केर्न काउंटी क्षेत्र के मेटलर के पास था। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में आए भूकंप से बुनियादी ढांचे को किसी तरह का नुकसान हुआ है या नहीं।

टेस्ला ने 'रिमोट सॉफ्टवेयर अपग्रेड' के लिए चीन में 16 लाख से अधिक कार वापस बुलाई

बीजिंग/एपी। टेस्ला चीन में 16.8 लाख कार को 'रिमोट सॉफ्टवेयर अपग्रेड' के लिए वापस बुला रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 'ट्रंक' बंद न होने पर चालक को इसके बारे में आगाह किया जाए। चीन के बाजार नियामक के अनुसार, खराब 'ट्रंक लैच' वाले वाहनों की मरम्मत निःशुल्क की जाएगी। वाहन को वापस बुलाने के नोटिस में कहा गया, गाड़ी चलाते समय 'ट्रंक' (कार का बूट) का ढक्कन खुल सकता है, जिससे चालक को देखने में परेशानी हो सकती है। हालांकि, इसमें यह जानकारी नहीं दी गई कि क्या टेस्ला की किसी कार के साथ ऐसा कभी हुआ या नहीं। चीन के बाजार विनियमन प्रशासन ने कहा , अमेरिका स्थित इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता 'रिमोट सॉफ्टवेयर अपग्रेड' के जरिये इस समस्या का समाधान करेगी।

पुतिन ने यूक्रेन पर 'उकसाने' का आरोप लगाया

कीव/एपी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को देश के दक्षिण-पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी घुसपैठ को 'बड़ा उकसावा' बताया। उनके अधिकारियों ने कहा कि रूस दूसरे दिन सीमापार छापों का मुकाबला कर रहा है। यूक्रेन के अधिकारियों ने इस अभियान के दायरे पर चुप्पी साध रखी है। पुतिन ने ''असैन्य भवनों, आवासीय इमारतों, एंबुलेंसों पर विभिन्न प्रकार के हथियारों से अंधाधुंध गोलाबारी'' किये जाने का दावा करते हुए इस पर चर्चा करने के लिए अपने शीर्ष रक्षा एवं सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने मंत्रिमंडल को कुर्स्क क्षेत्र में सहायता के सिलसिले में तालमेल कायम करने का निर्देश दिया।

विनेश के ओलंपिक सफर का दुखद अंत, वजन अधिक होने से अयोग्य घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। सेमीफाइनल जीतने के बाद विनेश ने कहा था ,' कल बड़ा दिन है , कल बात करूंगी ।' लेकिन किसे पता था कि उनके साथ पूरे देश की उम्मीदें यूं सौ ग्राम के बोझ तले दब जायेंगी । पेरिस ओलंपिक में देश को स्वर्ण दिलाने से एक जीत की दूरी पर खड़ी विनेश फोगाट 50 किलोवर्ग के फाइनल में वजन के लिये खड़ी हुई तो उनका वजन 100 ग्राम ज्यादा निकला जिससे वह अपने कैरियर के सबसे बड़े दिन अयोग्य करार होकर ओलंपिक से बाहर हो गई।

मंगलवार को तीन कठिन मुकाबलों के बाद शरीर में पानी कमी के बावजूद विनेश ने केवल 'थोड़ी मात्रा में पानी' पिया, अपने बाल कटवाए और पूरी रात जागकर कसरत की ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह अपने वजन की निर्धारित सीमा से अधिक नहीं हो जाए।

भारतीय अधिकारियों ने सौ ग्राम वजन कम करने के लिये लाख गुहार लगाई लेकिन नियम बदला नहीं जा सकता था । इससे विनेश का ओलंपिक में सुनहरा सफर यूं दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से खत्म हो गया ।

आप भारत का गौरव हो, मजबूती से वापसी करनी है, प्रधानमंत्री ने विनेश से कहा

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल से पहले वजन अधिक होने के कारण अयोग्य करार दी गई पहलवान विनेश फोगाट को हौसला देते हुए कहा कि वह भारत का गौरव हैं और उन्हें मजबूती से वापसी करनी है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विनेश की हौसलाअफजाई करते हुए कहा कि वह भारत का गौरव हैं और उन्हें मजबूती से वापसी करनी है । उन्होंने एक्स पर लिखा ,'' विनेश आप चैम्पियनों में चैम्पियन हो । आप भारत का गौरव हो और हर भारतीय के लिये प्रेरणास्रोत हो ।'' उन्होंने आगे लिखा ,'' आज के झटके से दुख पहुंचा है । काश मैं शब्दों में बता पाता कि इस समय कितना मायूस हूं । लेकिन मुझे पता है कि आप फिर वापसी करोगी । चुनौतियों का डटकर सामना करना आपके स्वभाव में है । मजबूती से वापसी करो । हम सभी आपके साथ हैं ।''

मामले में पीटी उषा को उचित कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री का निर्देश : मांडविया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को लोकसभा को अवगत कराया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस ओलम्पिक में पहलवान विनेश फोगाट के प्रतियोगिता से बाहर होने के मामले में भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) को जरूरी कार्रवाई के लिए कहा है। खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया ने विनेश फोगाट के मामले में सदन में दिये बयान में कहा कि आईओए की प्रमुख पीटी उषा पेरिस में ही हैं और प्रधानमंत्री ने उनसे खुद बात की है। मांडविया ने कहा कि विनेश का वजन 50 किलोग्राम से 100 ग्राम अधिक पाया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले में भारतीय ओलम्पिक संघ ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ से कड़ा विरोध भी दर्ज कराया है।

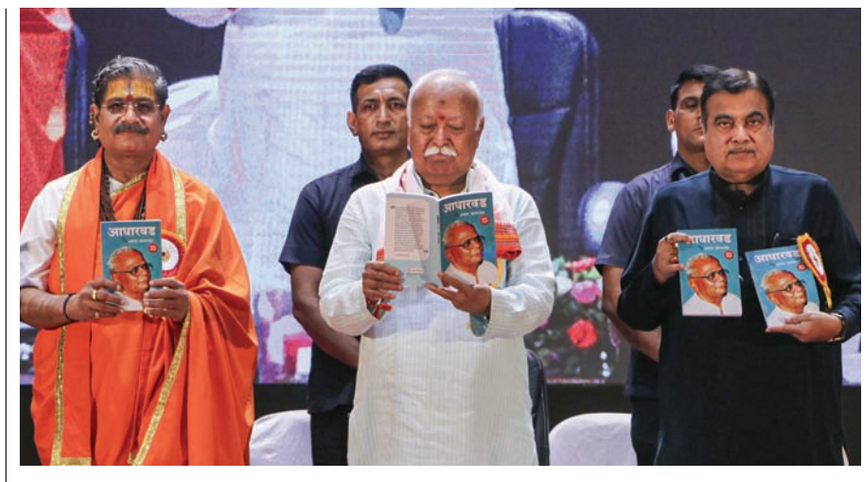

मौजूदा अनुकूल परिस्थितियों में अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहना अधिक चुनौतीपूर्ण : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि समाज में आरएसएस की विचारधारा के लिए ''अनुकूल परिस्थितियों'' के कारण अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहना और संघ कार्यकर्ताओं के चरित्र एवं समर्पण को बनाए रखने का कार्य अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है।

नागपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने इस बारे में भी आगाह किया कि अनुकूल परिस्थितियों में बदलाव होने और कम अनुकूल परिस्थितियां पैदा होने की भी संभावना है।

संघ प्रमुख ने कहा, ''एक लंबी अवधि तक आरएसएस कार्यकर्ता सामाजिक विरोध के बावजूद डटे रहे जिसने हमारे लक्ष्य, चरित्र और प्रतिबद्धता की दृढ़ता में योगदान दिया। हमारी विचारधारा के लिए समाज में प्रचलित अधिक अनुकूल परिस्थितियों के साथ अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहना और हमारे कार्यकर्ताओं के चरित्र एवं समर्पण को बनाए रखना अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है।''

वह दत्ताजी डिडोलकर जन्म शताब्दी समारोह के समापन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इसमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और स्वामी जितेंद्रनाथ महाराज भी मौजूद थे।

भागवत ने कहा, ''अतीत में, हमारे विचारों या सोच को व्यक्त करने का अकसर उपहास उड़ाया जाता था।'' आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''हालात अच्छे नहीं थे। हमारे पास (अतीत में) पर्याप्त संसाधन भी नहीं थे। आज, समाज हम पर भरोसा करता है और हमारा समर्थन करता है, जिससे हमारा काम चुनौतीपूर्ण हो जाता है।''

बांग्लादेश में जो हो रहा है वह यहां भी हो सकता है : सलमान खुर्शीद

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने मंगलवार को कहा कि ''ऊपरी तौर पर भले ही सब कुछ सामान्य लगे'', लेकिन बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह भारत में भी हो सकता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री खुर्शीद ने शिक्षाविद् मुजीबुर रहमान की पुस्तक 'शिकवा-ए-हिंद : भारतीय मुसलमानों का राजनीतिक भविष्य' के विमोचन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा, ''कश्मीर में सब कुछ सामान्य लग सकता है। यहां सब कुछ सामान्य लग सकता है। हम जीत का जश्न मना रहे हैं। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि वह जीत या 2024 की सफलता मामूली थी, शायद अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''तथ्य यह है कि अंदर ही अंदर कुछ चल रहा है।'' उन्होंने कहा,'' बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह यहां भी हो सकता है... बांग्लादेश में चीजों को लेकर जिस तरह से जनआक्रोश भड़का, हमारे देश की प्रकृति चीजों पर उस तरह से गुस्सा फूंटने से रोकती है।'' राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद मनोज झा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ शाहीन बाग में हुए आंदोलन का जिक्र किया। झा ने कहा, ''याद है शाहीन बाग में विरोध-प्रदर्शन कैसे शुरू हुए... जब संसद में कुछ नहीं हुआ, तो लोग सड़कों पर उतर आए।'' नागरिकता से जुड़े नए कानून के खिलाफ दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के शाहीन बाग में महिलाओं ने विरोध-प्रदर्शन किया था, जो करीब 100 दिनों तक जारी रहा था। इस आंदोलन की तर्ज पर देशभर में और भी जगह प्रदर्शन हुए। झा का मानना था कि शाहीन बाग आंदोलन सफल रहा। वहीं, खुर्शीद का कहना था कि आंदोलन विफल रहा, क्योंकि विरोध-प्रदर्शन का हिस्सा रहे कई लोग अब भी जेल में हैं।

बांग्लादेश हिंसा पर बोले योगी :

सनातन धर्म पर आने वाले संकट से एकजुट होकर लड़ने की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश में जारी हिंसा पर चिंता जताते हुए बुधवार को कहा कि इस पड़ोसी मुल्क में हिंदुओं को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है और सनातन धर्म पर आने वाले संकट के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की जरूरत है। योगी ने यह भी कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण केवल मंजिल नहीं, बल्कि एक पड़ाव है और इस सिलसिले को आगे भी बनाए रखना है।

मुख्यमंत्री ने अपने अयोध्या दौरे के दूसरे दिन श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के प्रथम अध्यक्ष ब्रह्मलीन परमहंस रामचंद्र दास को उनकी 21वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने परमहंस रामचंद्र दास की मूर्ति के अनावरण के मौके पर बांग्लादेश में हो रही हिंसा का जिक्र किया।

योगी ने कहा, ''आज भारत के तमाम पड़ोसी देश जल रहे हैं। मंदिर तोड़े जा रहे हैं। हिंदुओं को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है और तब भी हम इतिहास की उन परतों को ढूंढने का प्रयास नहीं कर रहे हैं कि इस तरह की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति वहां पर क्यों पैदा हुई।'' उन्होंने कहा, ''हम याद रखें कि जो समाज इतिहास की गलतियों से सबक नहीं सिखता है, उसके उज्ज्वल भविष्य पर ग्रहण लग जाता है। सनातन धर्म पर आने वाले संकट के लिए फिर से एकजुट होकर कार्य किए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए एकजुट होकर लड़ने की आवश्यकता है।''

मुख्यमंत्री ने अयोध्या में '500 वर्षों के इंतजार' के बाद मंदिर निर्माण का जिक्र करते हुए कहा, ''राम मंदिर का निर्माण... यह केवल मंजिल नहीं है, यह एक पड़ाव है और इस पड़ाव को आगे भी निरंतरता देनी है, क्योंकि सनातन धर्म की मजबूती इन सब अभियानों को एक नई गति देती है।''

लोकसभा में पेश होगा वक्फ (संशोधन) विधेयक

विपक्ष ने संसदीय समिति के पास भेजने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों ने बुधवार को सरकार से आग्रह किया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को पेश किए जाने के बाद इस पर गौर करने के लिए इसे संसद की स्थायी समिति के पास भेजा जाना चाहिए।

दूसरी तरफ, सरकार ने कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में कहा कि वह सदन की भावना का आकलन करने के बाद इस पर फैसला करेगी।

सरकार ने यह भी कहा कि वह बृहस्पतिवार को लोकसभा में पेश होने के बाद विधेयक पर चर्चा और इसे पारित कराने पर जोर नहीं देगी।

इस बात की प्रबल संभावना है कि सरकार इस विधेयक को संसदीय समिति के पास भेजने पर सहमत हो सकती है। इस विधेयक का कुछ मुस्लिम संगठन विरोध कर रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि सरकार के एजेंडे का समर्थन करने वाले कुछ दलों ने भी प्रस्तावित कानून पर अपनी आपत्ति व्यक्त की है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने समिति की बैठक में कहा कि सरकार बृहस्पतिवार को इस बात पर विचार करेगी कि विधेयक को संसदीय जांच के लिए भेजा जाए या नहीं।

लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई और तृणमूल कांग्रेस सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय उन विपक्षी सदस्यों में शामिल हैं, जिन्होंने विधेयक पेश होने के बाद इसे संसद की स्थायी समिति को भेजने की मांग की।

संयोग से अभी लोकसभा की विभाग-संबंधित स्थायी समितियों का गठन नहीं हुआ है। यदि सरकार इस तरह की कार्रवाई पर निर्णय लेती है तो सदन विधेयक पर विचार के लिए स्थायी समिति की अनुपस्थिति में एक अलग समिति बना सकता है।

08-08-2024 सूर्यास्त 6:33 बजे	09-08-2024 सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
79,468.01	24,297.50
(+874.94)	(+304.95)

सोना	चांदी
7,112 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	89,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ढाका पर डाका

कट्टरपंथी ताकत ने फिर,
कुछ खेंच दिया ऐसा खाका।
मुफलिसी खौफ के मंज़र ने,
डाला सबके मन पर डाका।
बदहाली ला खुद के हाथों,
खुशहाली मारेगी फाका।
आमार बांग्ला घायल हैं,
सकते में है पूरा ढाका।

बांग्लादेश में अशांति के बीच कानून-व्यवस्था बहाल करने में जुटे प्राधिकारी

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस बृहस्पतिवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के तौर पर शपथ लेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस बृहस्पतिवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के तौर पर शपथ लेंगे। इससे पहले बुधवार को उन्होंने सभी से शांति कायम करने और हर प्रकार की हिंसा से बचने की अपील की। वहीं दूसरी ओर प्राधिकारी कानून-व्यवस्था पर नियंत्रण करने में जुटे हैं।

शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद देश के सुरक्षा महकमे में बड़ा फेरबदल किया गया है।

सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने बुधवार को घोषणा की कि अंतरिम सरकार बृहस्पतिवार को रात करीब आठ बजे शपथ लेगी। उन्होंने कहा कि सलाहकार परिषद में 15 सदस्य हो सकते हैं। जनरल जमां ने कहा कि सशस्त्र बल यूनुस को हरसंभव सहायता प्रदान करेंगे।

मंगलवार को नजरबंदी से मुक्त हुई बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने यूनुस के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए क्रोध या प्रतिशोध नहीं बल्कि प्रेम और शांति की आवश्यकता है।

यूनुस ने शीर्ष पद के लिए उनका नाम आगे करने वाले छात्र आंदोलन के समन्वयकों को बहादुर छात्र कहते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन छात्रों ने हमारे दूसरे विजय दिवस को संभव बनाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने एक बयान में कहा, किसी भी संवेदनहीन हिंसा में शामिल होकर मौका न जाया करें। हिंसा हमारी दुश्मन है। कृपया और दुश्मन न बनाएं। शांति कायम करें और देश के निर्माण के लिए तैयार हो जाएं। उन्होंने कहा, अगर हम हिंसा का रास्ता अपनाएंगे तो सब कुछ नष्ट हो जाएगा। कृपया शांत रहें। अपने आसपास के लोगों की शांत रहने में मदद करें।

अर्थशास्त्री ने कहा, आइए हम अपनी नई जीत का सर्वोत्तम उपयोग करें। अपनी गलतियों के कारण यह मौका न जाने दें। मैं सभी से विनम्रतापूर्वक शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। हर प्रकार की हिंसा से बचें।

बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी समूह को रोका

नई दिल्ली/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार को करीब 120-140 बांग्लादेशी नागरिकों के एक समूह को रोका, जो पश्चिम बंगाल में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय सीमा में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक इस सप्ताह के प्रारंभ में ढाका में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से ही सुरक्षाबल 'हाई अलर्ट' पर हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना दार्जिलिंग के कदमतला में स्थित बीएसएफ के मुख्यालय के अधिकार क्षेत्र में दो स्थानों पर दिन में हुई। उन्होंने बताया कि बीएसएफ के फील्ड कमांडरों ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के अपने समकक्षों से संपर्क किया और महिलाओं और बच्चों के साथ आए 120-140 लोगों के इस समूह को रोका गया तथा उन्हें वापस जाने को कहा गया। अधिकारियों ने बताया कि सीमा पर स्थिति नियंत्रण में है।

हसीना 'थोड़े और समय के लिए' दिल्ली में रहेंगी : सजीब वाजेद

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद अपना देश छोड़कर भारत आईं अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना थोड़े और समय के लिए दिल्ली में रहेंगी। हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अवामी लीग की नेता हसीना (76) सोमवार को दिल्ली के निकट स्थित एक वायुसेना स्टेशन पहुंची थीं और बाद में उन्हें कड़ी सुरक्षा के तहत दिल्ली में एक सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया था। हसीना के साथ उनकी बहन शेख रेहाना भी हैं।

जर्मनी के मीडिया संस्थान डॉयशे वेले को दिए साक्षात्कार के दौरान जॉय से किसी तीसरे देश से शरण मांगने की हसीना की योजना के बारे में पूछा गया।

जॉय ने कहा, ये सभी अफवाहें हैं। उन्होंने अभी इस बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है। वह कुछ और समय के लिए दिल्ली में ही रहेंगी। मेरी बहन उनके साथ हैं। लिहाजा वह अकेली नहीं हैं।

हसीना की बेटी सायमा वाजेद विश्व स्वास्थ्य संगठन की दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक हैं, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

ब्रिटेन द्वारा शरण दिए जाने में टालमटोल के बाद हसीना की लंदन यात्रा की योजना अधर में लटक गई है। रेहाना की बेटी ट्यूलिप सिद्दीकी ब्रिटिश संसद की सदस्य हैं।

बांग्लादेश में मौजूदा अस्थिरता पर बात करने वाले जॉय से यह भी पूछा गया कि क्या उनकी राजनीति में आने की कोई योजना है, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, अभी ऐसी कोई योजना नहीं है।

'माहेश्वरी महिला समिति दक्षिण' ने मनाई हरियाली तीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माहेश्वरी समाज की इकाई माहेश्वरी महिला सेवा समिति दक्षिण की सदस्याओं द्वारा सावन के सिंजारे के अवसर पर राजस्थान रॉयल क्वीन कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा राजस्थानी संस्कृति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन निधि झँवर व मीनाक्षी ने किया।

सचिव निधि राठी ने सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में रैपिड फायर प्रश्नोत्तरी, राजस्थानी तंबोला खेल, नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। रेनू झँवर, मेघा अरोड़ा व रेनू देशपांडे ने निर्णायक की भूमिका निभाई। रॉयल क्वीन का ताज अनीता काबरा को मिला। फर्स्ट रनरअप कमल मूंदड़ा व द्वितीय रनरअप अंकिता बाहेती रही। अध्यक्ष कांता सोमानी ने आभार प्रकट किया।

धर्म में असंभव को भी संभव बनाने की शक्ति : संतश्री राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन भवन में प्रवचन में राजेशमुनिजी ने कहा कि हमारे हृदय में तृष्णा रूपी जहर की जो बेल है उसे खत्म करना होगा। इच्छाओं और लालसाओं को वश में करना जरूरी है। सादा जीवन उच्च विचार के सहारे अपने जीवन को सुनहरा बनाना है।

आस्था और श्रद्धा के बल पर ही हम उस कसौटी पर खरे उतर सकते हैं और अपनी आत्मा का उद्धार कर सकते हैं। नवकार मंत्र का महत्व बताते हुए मुनिजी ने कहा कि यह लौकिक मंत्र नहीं, अपितु आत्म विजय का मंत्र है। हमें इस मंत्र को इच्छाओं से नहीं बल्कि अपनी आत्मा से जोड़ना है ताकि आत्मा पर विजय पाकर सिद्ध अवस्था को पा सकें्। हम केवली बनकर पूरे ब्रह्मांड को देख सकने वाली शक्ति बन सकें्। हमारी आस्था और श्रद्धा दृढ़ हो तो धर्म से कुछ भी पाया जा सकता है।

इसके पहले ऋषभ मुनि ने कहा कि हमारी सांसें अनमोल हैं। हमें इनका सही आकलन करना है ताकि हमारा मनुष्य जन्म सफल हो सके और हम अपने साथ ही दूसरों की आत्मा का भी कल्याण कर सकें। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

सरकार उत्तराखंड में भागीरथी पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार चारधाम के तीर्थयात्रियों को सुविधाएं प्रदान करने और चीनी सीमा तक भारी रक्षा उपकरणों के परिवहन के लिए सड़क बनाने के साथ-साथ भागीरथी पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र का भी ध्यान रखेगी। गडकरी ने यह भी बताया कि मणिपुर में राजमार्ग निर्माण कार्य कानून और व्यवस्था की स्थिति के कारण विलंबित है और मुद्दों को हल करने की आवश्यकता है।

राज्यसभा में एक पूरक प्रश्न के उत्तर में गडकरी ने बताया कि कुल 900 किलोमीटर की चारधाम परियोजना में से केवल 150 किलोमीटर का हिस्सा ही बनाया जाना बाकी है। उन्होंने बताया कि 12,000 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य सड़कों को चौड़ा करना और उत्तराखंड में चार पवित्र स्थानों - यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ - को सभी मौसम में संपर्क प्रदान करना है। उनसे पूछा गया था कि क्या 900 किलोमीटर लंबी चारधाम परियोजना के तीर्थयात्रियों को सुविधाएं प्रदान करने का मुद्दा है या चीन से लगने वाली सीमा तक सड़क बनाने का मुद्दा है।

गडकरी ने कहा, ''हम पारिस्थितिकी और पर्यावरण की भी रक्षा करेंगे, हम राष्ट्रीय हितों की भी रक्षा करेंगे।'' उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि सरकार ने बड़ी संख्या में पेड़ लगाने का फैसला किया है। चारधाम कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर 2016 में किया था और इसे मार्च 2020 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन राष्ट्रीय हरित अधिकरण में एक मुकदमे और याचिकाकर्ता द्वारा उच्चतम न्यायालय में एक और दीवानी अपील दायर करने के कारण इसमें विलंब हुआ। इसके अलावा, धरासू मोड़ से गंगोत्री (94 किमी) तक का खंड भागीरथी पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जिस पर पर्यावरण मंत्रालय द्वारा मास्टर प्लान की मंजूरी के बाद ही काम शुरू किया जा सकता है।

मणिपुर में दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण की धीमी प्रगति पर एक अलग सवाल का जवाब देते हुए गडकरी ने कहा कि राज्य में कानून और व्यवस्था की समस्या है और लोग राजमार्ग निर्माण कार्य नहीं करने दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने आपके मुख्यमंत्री और अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक की... हमें कानून और व्यवस्था से संबंधित मुद्दों को हल करने दें और हमें काम करने दें।''

जेएनयू के विद्यार्थियों ने मांगें पूरी नहीं होने पर कक्षाओं का बहिष्कार किया

नई दिल्ली/भाषा। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में अपनी मांगों को लेकर छात्र संघ के हड़ताल के आह्वान पर बुधवार को सैकड़ों विद्यार्थियों ने कक्षाओं का बहिष्कार किया। प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों ने नारेबाजी करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में रैली निकाली तथा समर्थन जुटाने के लिए कक्षाओं में जाकर छात्रों से संपर्क किया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) ने अप्रैल में कुलपति शांतिश्री डी पंडित को सौंपे गए मांगपत्र पर विवि प्रशासन द्वारा कोई कदम नहीं उठाने के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए हड़ताल का आयोजन किया। जेएनयूएसयू ने एक बयान में कहा कि उनकी मांगों में मेरिट-कम-मीन्स (एमसीएम) छात्रवृत्ति की राशि को कम से कम 5,000 रुपए तक बढ़ाना और इसका दायरा बी.टेक छात्रों तक बढ़ाना, बराक छात्रावास का मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा कर उसे विद्यार्थियों के लिए पुन: खोलना शामिल है।

स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी से पहले से लगता है कर, राज्यों में विरोध दर्ज कराएं सदस्य: सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि स्वास्थ्य बीमा पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था लागू होने से पहले से कर लगता था और उन्हें इस बारे में अपनी पार्टी के शासन वाले राज्यों के वित्त मंत्रियों के समक्ष विरोध दर्ज कराना चाहिए। अनेक विपक्षी सदस्यों ने वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा के प्रीमियम पर लगने वाली 18 प्रतिशत की जीएसटी खत्म करने का आग्रह किया था।

वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा, ''मेडिकल बीमा के प्रीमियम पर जीएसटी आने से पहले कर है...यह नया विषय नहीं आया है। पहले भी हर राज्य में मेडिकल बीमा पर कर लगता था।'' उन्होंने विपक्षी सदस्यों से सवाल किया, ''क्या आपने अपने राज्य में कहा कि कर हटाओ? जीएसटी परिषद में शामिल अपने राज्यों के वित्त मंत्रियों को पत्र लिखा?'' वित्त मंत्री ने कहा कि इस मामले पर विपक्ष दोहरा मापदंड अपना रहा है। उन्होंने कहा, ''जीएसटी परिषद की बैठक में कांग्रेस शासित राज्यों के वित्त मंत्री भाग लेते हैं, आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के शासन वाले राज्यों के वित्त मंत्री शामिल होते हैं।'' सीतारमण ने कहा कि विपक्षी सदस्यों को अपनी पार्टी के शासन वाले राज्य के वित्त मंत्री के समक्ष विरोध प्रदर्शन करना चाहिए।

उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा, ''राजनीतिक रोटी सेंकने वालों को इस बारे में सोचना चाहिए।'' वित्त मंत्री का कहना था, ''स्वास्थ्य बीमा पर 18 प्रतिशत जीएसटी है। इसमें नौ प्रतिशत राज्यों के पास जाता है। बाद में जो केंद्र के पास आता है उसमें से भी एक हिस्सा राज्यों को जाता है। मतलब यह कि 100 रुपए में 74 रुपए राज्यों को चला जाता है।''

धनशोधन मामलों में दोषसिद्धि की कम दर: न्यायालय ने ईडी से अभियोजन की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने धनशोधन के मामलों में दोषसिद्धि की कम दर का हवाला देते हुए बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से अभियोजन और साक्ष्य की गुणवत्ता पर ध्यान देने को कहा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने संसद में दिए गए एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि ईडी को दोषसिद्धि दर बढ़ाने के लिए कुछ वैज्ञानिक जांच करनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि ईडी ने 2014 से 2024 के बीच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कुल 5,297 मामले दर्ज किए, जबकि 40 मामलों में दोषसिद्धि सुनिश्चित की गई। शीर्ष अदालत ने छत्तीसगढ़ के एक व्यवसायी की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। व्यापारी को कोयला परिवहन पर अवैध शुल्क से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया गया था। पीठ ने ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस वी राजू से कहा, ''आपको अभियोजन पक्ष और साक्ष्य की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। जिन मामलों में आप इस बात से संतुष्ट हैं कि प्रथम दृष्टया मामला बनता है, आपको उन्हें अदालत में साबित करने की आवश्यकता है।'' इसने कहा, ''इस मामले में आप कुछ गवाहों द्वारा दिए गए बयानों, हलफनामों पर जोर दे रहे हैं। इस तरह के मौखिक साक्ष्य... भगवान ही जाने कि कल वह व्यक्ति इस (बयानों) के साथ खड़ा होगा या नहीं। आपको कुछ वैज्ञानिक जांच करनी चाहिए।''

राजू ने दलील दी कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 161 के विपरीत, धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 50 के तहत बयानों को साक्ष्य माना जाता है।

अवांछित कॉल पर अंकुश के लिए नियमनों को मजबूत बनाएगा ट्राई: चेयरमैन

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने बुधवार को कहा कि दूरसंचार नियामक अवांछित कॉल पर अंकुश लगाने के लिए नियमनों की समीक्षा करेगा और उन्हें मजबूत बनाएगा। ट्राई के एजेंडा में अवांछित कॉल पर कार्रवाई शीर्ष पर है। अनाधिकृत टेलीमार्केटिंग कंपनियों से अनचाहे संचार के बारे में उपभोक्ताओं की बढ़ती शिकायतों के बीच नियामक इस मुद्दे पर अपना रुख सख्त कर रहा है।

लाहोटी ने ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) द्वारा आयोजित 'इंडिया सैटकॉम-2024' पर कहा, हमने अवांछित कॉल पर सेवा प्रदाताओं के साथ बातचीत की है और यह हमारी अगली प्राथमिकता है। हम गंभीरता से काम करेंगे...हम अवांछित या स्पैम कॉल के मुद्दे पर जांच सख्त करने के लिए मौजूदा नियमों में लोगों द्वारा पाई जाने वाली किसी भी खामी को दूर करेंगे। ट्राई ने बैठक आयोजित कर सेवा प्रदाताओं और उनके टेलीमार्केटिंग कंपनियों को कड़ा संदेश दिया कि वे वॉयस कॉल का उपयोग कर बड़े पैमाने पर संचार पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाएं।

कर्मचारियों के लिए एनपीएस के बजाय पुरानी पेंशन योजना की समय सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं: केंद्र

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को लोकसभा को अवगत कराया कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के बदले पुरानी पेंशन योजना स्वीकार करने की समय सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एनपीएस की शुरुआत 2003 में की गई थी। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि एक जनवरी, 2004 से केंद्र सरकार की सेवा में (सशस्त्र बलों को छोड़कर) सभी नई भर्तियों के लिए एनपीएस अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के निर्णयों के अनुसरण में पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने तीन मार्च, 2023 को निर्देश जारी किए थे, जिसमें केंद्र सरकार के उन असैन्य कर्मचारी को केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 (अब 2021) के अंतर्गत शामिल होने के लिए एकल विकल्प दिया गया था, जिन्हें 22 दिसंबर, 2003 को एनपीएस की अधिसूचना से पहले भर्ती/नियुक्ति के लिए अधिसूचित पद या रिक्ति पर नियुक्त किया गया।

कांग्रेस नेता खुर्शीद हताश हैं, उन्हें शर्म आनी चाहिए:विजयवर्गीय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की एक टिप्पणी पर पलटवार करते हुए बुधवार को उन्हें 'हताश' करार दिया।

मंगलवार रात एक पुस्तक के विमोचन समारोह में खुर्शीद ने कहा, ''ऊपरी तौर पर भले ही सब कुछ सामान्य लगे, लेकिन बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह भारत में भी हो सकता है।'' बांग्लादेश में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर भागना पड़ा। खुर्शीद की टिप्पणी पर विजयवर्गीय ने कहा, उन्हें समझना चाहिए कि यह (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी का देश है। यह भारत है। बयान देकर अराजकता फैलाने की कोशिश करने वाले ऐसे हताश नेताओं को शर्म आनी चाहिए। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जो लोग पाकिस्तान का चेहरा बनकर काम कर रहे थे, वे अब भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हालात को समझ गए हैं।

मध्य प्रदेश के मंत्री ने कहा, भारत एक मजबूत देश है और इसके नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत मजबूत नेता हैं। इसलिए भारत में इस तरह की अराजकता की बात करना निंदनीय है। खुर्शीद ने यह टिप्पणी शिक्षाविद मुजीब-उर-रहमान की किताब 'शिकवा-ए-हिंद: द पॉलिटिकल फ्यूचर ऑफ इंडियन मुस्लिम्स' के विमोचन के मौके पर की।

'बांग्लादेश संकट भारत के लिए सबक, तानाशाही लंबे समय तक नहीं चलती'

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि बांग्लादेश की स्थिति भारत के लिए एक सबक है कि युवाओं को निराशाजनक स्थिति में नहीं डालना चाहिए और तानाशाही लंबे समय तक नहीं चलती। नौकरी में आरक्षण को लेकर कई सप्ताह तक चले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद बांग्लादेश में अनिश्चितता का माहौल है। इसके कारण शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर भागना पड़ा।

हजारों प्रदर्शनकारियों ने हसीना के देश छोड़कर जाने का जश्न मनाया। उन्होंने ढाका में हसीना के सरकारी आवास में लूटपाट और तोड़फोड़ की तथा उनकी पार्टी के कार्यालयों में आग लगा दी।

श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए मुफ्ती ने कहा कि देश को बांग्लादेश की स्थिति से सबक सीखना चाहिए।

माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस, अमेजन इंडिया सबसे आकर्षक नियोक्ता ब्रांड : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। माइक्रोसॉफ्ट भारत का सबसे 'आकर्षक नियोक्ता ब्रांड' बनकर उभरा है। रैंडस्टैड एम्प्लायर ब्रांड रिसर्च (आरईबीआर)-2024 ने एक रिपोर्ट में कहा कि इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और अमेजन क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया कि माइक्रोसॉफ्ट ने वित्तीय स्वास्थ्य, अच्छी प्रतिष्ठा और करियर में प्रगति के अवसरों पर बहुत ऊंचा स्कोर हासिल किया है। ये तीन कंपनियों में कर्मचारियों के मूल्य की दृष्टि से प्रमुख कारक (ईवीपी) हैं।

शीर्ष 10 सबसे आकर्षक नियोक्ता ब्रांड में चौथे स्थान पर टाटा पावर कंपनी और इसके बाद क्रमश: टाटा मोटर्स, सैमसंग इंडिया, इन्फोसिस, लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज और मर्सिडीज-बेंज हैं। आरईबीआर-2024 एक स्वतंत्र सर्वेक्षण है, जिसमें भारत के 3,507 लोगों सहित दुनियाभर लगभग 1,73,000 लोगों और 6,083 कंपनियों की प्रतिक्रियाएं ली गईं। रैंडस्टैड इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विश्वनाथ पीएस ने कहा, इस वर्ष के आंकड़ों से निकले निष्कर्ष कार्यबल की बदलती अपेक्षाओं को दर्शाते हैं। चूंकि प्रतिभाएं कार्य-जीवन संतुलन और समानता को प्राथमिकता दे रही हैं, इसलिए संगठनों को अपनी प्रतिभा अधिग्रहण रणनीतियों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

लोगों के धैर्य की परीक्षा मत लीजिए: उद्धव ने बांग्लादेश के घटनाक्रम पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को कहा कि बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रम ने दुनिया को संदेश दिया है कि जनता सर्वोच्च है और सरकारों को उनके धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए।

उद्धव ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को बांग्लादेश में हिंसा और अत्याचार के शिकार हिंदुओं को बचाने के लिए भी कहा। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल से संबंधित एक प्रश्न पर ठाकरे ने कहा, ''क्या आपको लगता है कि भारत में भी ऐसी ही स्थिति बन सकती है?'' बांग्लादेश के घटनाक्रम पर उनके संदेश के बारे में पूछे जाने पर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एकमात्र संदेश यह है कि जनता सर्वोच्च है और राष्ट्र के भाग्य की अंतिम निर्णायक वही है। ठाकरे ने कहा, ''केवल एक ही संदेश है...जनता सर्वोच्च है और किसी भी नेता को उनके धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। यदि आप ऐसा करते हैं, तो जनता की अदालत क्या कर सकती है, यह बांग्लादेश में दिखा है। जनता की अदालत सर्वोच्च है। जनता की अदालत ने बांग्लादेश में फैसला सुनाया है।'' उन्होंने कहा कि इसी तरह के विरोध प्रदर्शन श्रीलंका और इजराइल में भी देखे गए, जहां प्रधानमंत्री के लिए अपने घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था। ठाकरे ने कहा कि बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों को ''रजाकार'' कहा गया, जिसे उस देश में अपमानजनक माना जाता है। ठाकरे ने कहा, ''राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शन करने आए किसानों को आतंकवादी कहा गया। बांग्लादेश की यह स्थिति सभी के लिए चेतावनी है। किसी को भी यह नहीं सोचना चाहिए कि वे भगवान से ऊपर हैं। हम सभी इंसान हैं।''

रिलायंस वृद्धि के अगले स्तर के लिए तैयार: अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा है कि समूह अपने दूरसंचार व्यवसाय को मजबूत करने के साथ हरित एजेंडा पर भी काम कर रहा है और कंपनी अगले स्तर की वृद्धि के लिए तैयार है। अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन से लेकर ट्रू 5जी नेटवर्क और खुदरा कारोबार से जुड़ी योजनाओं की रूपरेखा भी पेश की है। उन्होंने कहा कि अस्थिरता और अनिश्चितता से भरी दुनिया में भारत स्थिरता और समृद्धि के प्रकाश-स्तंभ के रूप में चमक रहा है।

बाजार मूल्यांकन के हिसाब से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बीते दशक में कच्चे तेल और रसायन के अपने मुख्य कारोबार के साथ दूरसंचार, खुदरा और वित्त कारोबार को भी जोड़ा है। अब यह 2035 तक अपने परिचालन से शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन को लक्ष्य बनाकर हरित मार्ग पर आगे बढ़ रही है।

कारोबार में व्यापक वृद्धि ने रिलायंस को बाजार पूंजीकरण के लिहाज से 20 लाख करोड़ रुपए की सीमा पार करने वाली पहली भारतीय कंपनी बना दिया। अंबानी ने कहा, ''रिलायंस ने पूंजीगत व्यय के पिछले दौर के बाद अपने बही-खाते को मजबूत कर लिया है और वृद्धि के अगले स्तर के लिए तैयार है।'' उन्होंने कहा, ''वर्ष 2016 में जियो 4जी मोबाइल सेवाओं की शुरुआत ने डेटा के लिहाज से अंधकारपूर्ण भारत को डेटा-समृद्ध राष्ट्र में बदल दिया, जिससे हर भारतीय घर को किफायती, उच्च गति वाला 4जी डेटा मिलने लगा।'' उन्होंने कहा, ''इस साल जियो ने विश्व रिकॉर्ड समय में पूरे भारत में अपने ट्रू 5जी नेटवर्क को शुरू कर देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे को और मजबूत किया है।'' उन्होंने कहा कि किफायती स्मार्टफोन जियोभारत की पेशकश भारत को '2जी-मुक्त' बनाने में एक लंबा रास्ता तय करेगी।

खुदरा कारोबार के बारे में उन्होंने कहा कि भारत के सबसे बड़े खुदरा विक्रेता के रूप में रिलायंस रिटेल तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की खपत की जरूरतें पूरी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि रिलायंस रिटेल के उत्पादों की व्यापक शृंखला को लोग पसंद कर रहे हैं और कंपनी किराना से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों को घर तक पहुंचाने के साथ छोटे स्वदेशी दुकानदारों और किराना दुकानदारों का समर्थन भी कर रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया अब भारत की अपार संभावनाओं को समझ रही है और बड़ी फर्मों ने 100 अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन पर रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड में निवेश किया है।

'निजामी मराठा' ओबीसी आरक्षण को छीनने की कर रहे हैं कोशिश: प्रकाश आंबेडकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालना (महाराष्ट्र)/भाषा। आरक्षण विवाद के बीच वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने दावा किया है कि 'निजामी मराठा' अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए निर्धारित आरक्षण को छीनने की कोशिश कर रहे हैं। अपनी 'आरक्षण बचाओ यात्रा' के तहत प्रकाश आंबेडकर ने मंगलवार को यहां एक जनसभा में कहा कि आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ओबीसी को ऐसी साजिशों को विफल करना चाहिए। उन्होंने मराठा समुदाय को ओबीसी के तहत सरकारी नौकरियों एवं शिक्षा में आरक्षण देने की मांग कर रहे आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पर भी निशाना साधा।

महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें (मराठों को) एक अलग श्रेणी के तहत 10% आरक्षण देने के लिए फरवरी में एक कानून बनाया था। कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल समेत ओबीसी नेताओं ने पिछड़े समुदायों के लिए मौजूदा आरक्षण में किसी तरह की कटौती करने संबंधी कदम का विरोध किया है। वीबीए प्रमुख ने 25 जुलाई को मुंबई की चैत्यभूमि से अपनी यात्रा शुरू की थी जिसका समापन बुधवार को छत्रपति संभाजीनगर में होगा। प्रकाश आंबेडकर ने कहा, ''निजामी मराठा ओबीसी आरक्षण छीनने की कोशिश कर रहे हैं।'' वह पिछली हैदराबाद रियासत पर निजाम के शासन के ऐतिहासिक संदर्भ को रख रहे थे। हैदराबाद रियासत में मराठवाड़ा क्षेत्र भी शामिल था। वीबीए प्रमुख ने दावा किया कि सत्ता में और विपक्ष में बैठे दलों के मराठा नेता आगामी विधानसभा चुनाव के बाद ओबीसी आरक्षण प्रणाली को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि अक्टूबर में प्रस्तावित विस चुनाव में ओबीसी को उनकी साजिश को विफल करना चाहिए। प्रकाश आंबेडकर ने कहा कि ओबीसी आरक्षण दांव पर लगा है। उन्होंने लोगों से ओबीसी आरक्षण को कमजोर करने की साजिश को विफल करने के लिए ओबीसी और वीबीए से 100 सदस्यों को महाराष्ट्र विधानसभा में भेजने का आग्रह किया।

डेटा खपत में जियो की हिस्सेदारी पिछले वित्त वर्ष में लगभग 60% हुई: कंपनी रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो की देश के कुल डेटा खपत में हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर लगभग 60 प्रतिशत हो गई। मूल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की सालाना रिपोर्ट में यह बात कही गई है। कंपनी के मुताबिक, अगली पीढ़ी के नेटवर्क और डिजिटल प्रौद्योगिकियों में जियो के बड़े निवेश से प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त और बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी बनी रहेगी और इससे आने वाले वर्षों में मजबूत और सतत शेयरधारक रिटर्न सुनिश्चित होगा।

वार्षिक रिपोर्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो ने किफायती, उच्च गति वाले 4जी डेटा के साथ 'डेटा के लिहाज से कमजोर' भारत को 'डेटा-समृद्ध' देश में बदल दिया और विश्व रिकॉर्ड समय में पूरे भारत में 5जी नेटवर्क का विस्तार भी किया। वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, अगली पीढ़ी का फिक्स्ड वायरलेस नेटवर्क शुरू होने से उच्च गति वाले फिक्स्ड ब्रॉडबैंड की मांग तेज होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में इन सेवाओं की मांग में अधिक वृद्धि होने की उम्मीद है। रिपोर्ट कहती है कि जियो की स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियों को भारत में बड़े पैमाने पर लागू किया जा रहा है और बाद में उन्हें दुनिया के बाकी हिस्सों में भी ले जाया जाएगा। जनवरी-मार्च, 2024 तिमाही में प्रति व्यक्ति उच्चतम औसत डेटा उपभोग 28.7 जीबी प्रति माह दर्ज किया गया। इसके साथ कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में 5जी उपयोगकर्ता आधार और अपने फिक्स्ड ब्रॉडबैंड कनेक्शन में वृद्धि के साथ कुल डेटा खपत में 31 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की है।

अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में बुधवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग की मदद से मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तिरुचिरापल्ली जिले के थिरुवेरुम्बुर में मुथामिझारिग्नार कलैगनार शताब्दी प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर मंत्री उदयनिधि स्टालिन, सांसद कनिमोझी एवं मंत्री केएन नेहरू उपस्थित थे।

करुणानिधि को छठी पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बुधवार को अपने पिता और द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व अध्यक्ष दिवंगत एम. करुणानिधि की छठी पुण्यतिथि पर उनकी याद में पार्टी नेताओं और समर्थकों के शांति मार्च का नेतृत्व किया। द्रमुक के वर्तमान प्रमुख स्टालिन ने ओमनदुरार राजकीय एस्टेट में स्थापित अपने पिता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद मार्च का नेतृत्व किया। बाद में स्टालिन ने यहां मरीना में स्थित पिता की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन के साथ उनकी बहन और लोकसभा सदस्य कनिमोझी, उनके पुत्र और राज्य मंत्री उदयनिधि, वरिष्ठ कैबिनेट सहयोगी और पार्टी नेता मौजूद थे।

कई पार्टी नेता काले कपड़े पहने हुए थे। कार्यकर्ताओं ने

करुणानिधि के समर्थन में नारे लगाए। स्टालिन ने मरीना में द्रमुक संस्थापक और दिवंगत मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुरई की समाधि पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।

बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट में स्टालिन ने विभिन्न क्षेत्रों में तमिलनाडु द्वारा प्राप्त की गई प्रगति के लिए करुणानिधि की सराहना की। द्रविड़ नेता करुणानिधि का जन्म 1924 में हुआ था।

वह पांच बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे। लगभग पांच दशकों तक पार्टी की कमान संभालने वाले करुणानिधि ने सात अगस्त 2018 को अंतिम श्वांस ली।

विनेश को पेरिस ओलंपिक में अधिक वजन के कारण अयोग्य ठहराया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने बुधवार को भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक में अधिक वजन के कारण अयोग्य ठहराए जाने को ''बेहद दुर्भाग्यपूर्ण'' बताया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि इस

घटना ने कुश्ती में देश से एक पदक छीन लिया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि विनेश फोगाट के फाइनल में पहुंचने के कारण रजत पदक सुरक्षित हो गया था और वह स्वर्ण पदक जीत सकती थीं। अन्नामलाई ने फोगाट को अयोग्य करार दिये जाने के बारे में कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, इससे हमारा दिल भारी हो गया है। भाजपा नेता ने कहा कि फोगाट ने कड़ी मेहनत की थी और अपना वजन कम किया था। उन्होंने बताया कि निर्जलीकरण के कारण अब उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्नामलाई ने कहा कि तमिलनाडु सहित पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

कैलाशनाथन ने पुदुचेरी के उपराज्यपाल पद की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुदुचेरी। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी के. कैलाशनाथन ने बुधवार को राज निवास में आयोजित समारोह में पुदुचेरी के उपराज्यपाल पद की शपथ ली। मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश डी. कृष्णकुमार ने कैलाशनाथन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। पुदुचेरी प्रशासन के मुख्य सचिव शरत चौहान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से हाल ही में जारी नियुक्ति पत्र पढ़ा। कैलाशनाथन पुडुचेरी के 25वें उपराज्यपाल हैं।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद कैलाशनाथन को मुख्यमंत्री एन. रंगासामी, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी, पुदुचेरी विधानसभा के अध्यक्ष आर. सेल्वम, उपाध्यक्ष पी. राजावेलु, विधायकों, पुलिस के उच्च अधिकारियों, विधानसभा में विपक्षी दल द्रविड मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता आर. शिवा, अन्नाद्रमुक की पुदुचेरी इकाई के सचिव ए. अनबालागन, अधिकारियों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने बधाई और शुभकामनाएं दीं।

समारोह के बाद पुदुचेरी पुलिस ने राज निवास के बाहर नवनियुक्त उपराज्यपाल को 'गार्ड ऑफ़ ऑनर' दिया।

आधारशिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में बुधवार को युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने चेन्नई के सरकारी रोयापेट्टा अस्पताल में नए सुविधा भवन निर्माण की आधारशिला रखी।

मंत्री रामचंद्रन और थेनारासु को संपत्ति मामले में करना पड़ेगा मुकदमे का सामना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के राजस्व मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन और वित्त मंत्री थंगम थेनारासु को आय से अधिक संपत्ति मामलों में बरी किए जाने के सुनवाई अदालत के आदेश को बुधवार को रद्द कर दिया और निचली अदालत को दोनों के खिलाफ आरोप तय करने और कानून के अनुरूप कार्यवाही का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने विरिधुनगर जिले की एक विशेष अदालत के आदेश के खिलाफ अपनी रिट याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार किया जिसमें रामचंद्रन और थंगम थेनारासु को आय से अधिक संपत्ति मामलों में बरी किया गया था।

मंत्री रामचंद्रन और थंगम थेनारासु को सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की ओर से दर्ज किए गए मामलों में मुकदमे का सामना करना होगा। न्यायाधीश ने रामचंद्रन को नौ सितंबर को विशेष अदालत के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। उन्होंने थंगम थेनारासु को 11 सितंबर को विशेष अदालत के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने विशेष अदालत को इन मामलों में दैनिक आधार पर सुनवाई करने तथा इसे यथाशीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

न्यायमूर्ति आनंद वेंकटेश ने पिछले वर्ष सीआरपीसी की धारा 397 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए द्रमुक के दो वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपराधिक पुनरीक्षण मामले की स्वयं ही शुरुआत की थी।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, रामचंद्रन ने अपने और अपनी पत्नी पी. विसालाक्षी के अलावा अपने मित्र के.एस.पी. षणमुगामूर्ति के नाम पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति तब अर्जित की थी जब वह द्रमुक सरकार के दौरान 2006 से 2011 के बीच स्वास्थ्य और पिछड़ा वर्ग मंत्री थे। थेनारासु पर आरोप हैं कि उन्होंने अपने और अपनी पत्नी टी मणिमेगलाई के नाम पर 2006 से 2011 के बीच आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति तब अर्जित की थी जब वह स्कूल शिक्षा मंत्री थे।

काली नदी पर स्थित पुल ढहा, यातायात अवरूद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/कारवार। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में काली नदी पर स्थित एक पुराना पुल मंगलवार देर रात ढह गया, जिसके परिणामस्वरूप गोवा को इस पड़ोसी राज्य से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर यातायात अवरूद्ध हो गया। कारवार पुलिस ने बताया कि पुराने पुल का एक बड़ा हिस्सा रात करीब डेढ़ बजे उस समय ढह गया, जब एक ट्रक वहां से गुजर रहा था। पुल ढहने से वाहन नदी में गिर गया। उसने बताया कि इस घटना में वाहन चालक घायल हो गया और उसकी पहचान तमिलनाडु निवासी बाला मुरुगन के रूप में हुई है।

अधिकारियों के अनुसार, लगभग एक दशक पहले एक नये पुल के निर्माण के बाद इस पुल का इस्तेमाल गोवा आने-जाने वाले वाहनों के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि ट्रक कारवार की ओर जा रहा था, लेकिन पुल ढहने से वह नदी में गिर गया। रात्रि गश्ती दल ने पुलिस अधिकारियों को इसकी सूचना दी।

कारवार के पुलिस अधीक्षक एम नारायण ने कहा, ''हमारे रात्रि गश्ती दल ने पुल ढहने की सूचना नियंत्रण कक्ष को दी। पुल ढह जाने के कारण ट्रक नदी में गिर गया। स्थानीय मछुआरों ने हमारे दल के साथ मिलकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।'' उन्होंने कहा, ''वाहन चालक को कारवार आयुर्विज्ञान संस्थान एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत में सुधार हो रहा है।''

कारवार पुलिस ने बताया कि काली नदी पर स्थित पुराने पुल के ढहने के बाद बुधवार तड़के नये पुल पर यातायात कुछ देर के लिए रोक दिया गया। हालांकि, बाद में भारी वाहनों को छोड़कर अन्य वाहनों को आवाजाही की अनुमति दे दी गई। कारवार के पुलिस अधीक्षक ने एक बयान में कहा, ''पुल ढहने के कारण काली नदी पर बने नये पुल पर केवल हल्के वाहनों को ही जाने की अनुमति दी गई है, जबकि भारी वाहनों की आवाजाही अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई है।''

गोवा के कैनाकोना पुलिस थाने के प्रभारी हरीश राउत देसाई ने बताया कि नये पुल पर यातायात प्रतिबंधित कर दिया गया था, क्योंकि पुराने पुल के ढह जाने के बाद कर्नाटक के अधिकारी इस बात की जांच कर रहे थे कि नया पुल यातायात का अधिक बोझ सहन कर पाने में सक्षम है या नहीं। उन्होंने बताया कि इस घटना के संबंध में एक प्राथमिकी भी दर्ज की गई है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने इस घटना के बाद उत्तर कन्नड़ की जिलाधिकारी लक्ष्मी प्रिया के. को फोन किया और उन्हें जिले के सभी पुलों और सड़कों की मजबूती सुनिश्चित करने तथा जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए एहतियात बरतने के निर्देश दिए। नये पुल की मजबूती की तुरंत जांच करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को एक आधिकारिक पत्र भी भेजा गया है।

पत्र में कहा गया है कि कारवार और सदाशिवगढ़ को जोड़ने वाला काली नदी पर स्थित पुराना पुल सात अगस्त को देर रात 1.30 बजे ढह गया। पत्र में कहा गया है कि ''कोई और दुर्घटना को रोकने के लिए काली नदी पर बने नये पुल की मजबूती की जांच करने की तत्काल आवश्यकता है।'

' इसमें बताया गया है कि उत्तर कन्नड़ की जिलाधिकारी ने एनएचएआई होन्नावारा के क्षेत्रीय अधिकारी को आदेश दिया कि वे नये पुल की मजबूती की जांच सुनिश्चित करने और इसके संबंध में रिपोर्ट सौंपने के प्रयासों का तुरंत समन्वय और नेतृत्व करें। यह आदेश आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 33 और 34 के तहत दिया गया है।

बसपा नेता हत्याकांड में एक और व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में पिछले महीने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की हुई नृशंस हत्या के सिलसिले में 32 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान एन अश्वथमन के रूप में हुई है। पुलिस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि अश्वथमन शहर के व्यासरपडी का निवासी है। इससे पहले, इस हाई प्रोफाइल हत्याकांड की जांच के तहत 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पिछले महीने एक आरोपी को पुलिस ने उस समय गोली मार दी थी, जब उसने पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश की थी। उसे शहर में एक स्थान पर ले जाया जा रहा था, जहां उसने कथित तौर पर कुछ हथियार छिपाए थे। बसपा की प्रदेश इकाई के प्रमुख आर्मस्ट्रांग (52) की पिछले महीने हमलावरों के एक समूह ने हत्या कर दी थी।

बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के अलावा अन्नाद्रमुक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं कई अन्य राजनीतिक दलों ने इस हत्या की सीबीआई जांच की मांग की है।

सिद्दरामय्या ने अवैध रूप से जमीन खरीदी

विपक्ष नेता आर अशोक ने मुडा के घोटाले के दस्तावेज जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा खरीदी गई जमीन विरासत में मिली संपत्ति है, लेकिन इसके 27 दावेदार हैं, लेकिन केवल एक ने ही इस पर हस्ताक्षर किए हैं। विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि यह पूरी तरह से अवैध है।

बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की जमीन से जुड़े दस्तावेज मीडिया के सामने जारी किए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा खरीदी गई जमीन निंगा की जमीन है, जिन्होंने 1936 में यह जमीन खरीदी थी। उनकी मृत्यु 28 वर्ष पहले हो गई और उनकी पत्नी निंगम्मा की मृत्यु 1990 में हो गई। यह निंगा और निंगम्मा की स्व-स्वामित्व वाली संपत्ति है और उनके बच्चों की वंशानुगत संपत्ति है। निंगा के तीन बच्चे हैं और उनके परिवार में 27 लोग हैं। लेकिन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बताया कि इस पर देवराजू नाम के 'केवल एक व्यक्ति' ने हस्ताक्षर किए थे। यह जमीन 1968 के सर्वे नंबर 464 में निंगा के बेटे मल्लैया के नाम पर दर्ज की गई थी। 1990 में, देवनूर बरंगे मुड़ा ने कुल 462 एकड़ भूमि के लिए प्रारंभिक अधिसूचना जारी की थी। बाद में, जमीन के सिलसिले में देवराजू को मुडा से 3 लाख रुपये मिले।

इस जमीन को मुडा ने 1998 में डी-नोटिफाई कर दिया था। तब सिद्दरामय्या खुद उपमुख्यमंत्री थे। माता-पिता की मृत्यु के बाद परिवार के सभी लोगों के हस्ताक्षर अवश्य लेने चाहिए। वर्ष 2004 में, सिद्दरामय्या के बहनोई मल्लिकार्जुन स्वामी ने देवराजू से 3 एकड़ और 16 गुंटा जमीन खरीदी और इसे अवैध रूप से पंजीकृत किया। 2005 में इसे जमीन में तब्दील कर दिया गया। 2001 में इसे विकास के लिए एलटी को दे दिया गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद इस जमीन का नामांतरण कर दिया गया है। अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने आप को स्वच्छ बता रहे हैं। लेकिन आज इन दस्तावेज से सभी साफ हो रहा है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री अब नैतिकता के आधार पर अपना इस्तीफा दे दें।

मुझे विश्वास है कि राज्यपाल मेरे खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगे जाने संबंधी याचिका खारिज कर देंगे : सिद्दरामय्या

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि राज्यपाल कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन घोटाले के संबंध में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगे जाने संबंधी याचिका को खारिज कर देंगे, क्योंकि इस मामले में सबकुछ कानून और संविधान के अनुसार हुआ है।

उन्होंने कहा कि सत्य की हमेशा जीत होती है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) उनसे और उनकी सरकार से डरे हुए हैं क्योंकि वह जनता और गरीबों की हितैषी है, इसलिए वे झूठे आरोप लगाकर सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं।

सिद्दरामय्या ने यहां पत्रकारों से कहा, जब सबकुछ कानूनी रूप से सही है, तो (राज्यपाल को) इस संबंध में आश्वस्त होना चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि वह (सरकार की प्रतिक्रिया को) स्वीकार करेंगे क्योंकि सबकुछ कानूनी रूप से सही है। वह (राज्यपाल) संविधान के प्रमुख हैं, जब चीजें संविधान के अनुसार हैं, तो वह स्वीकार क्यों नहीं करेंगे? मुझे विश्वास है कि वह स्वीकार करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें किसी राजनीतिक साजिश का संदेह है, क्योंकि राज्यपाल ने हाल में दिल्ली में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से मुलाकात की थी, उन्होंने कहा, ''मुझे ऐसा कुछ नहीं लगता...।'' उन्होंने कहा, ''क्योंकि राज्यपाल संविधान के प्रमुख हैं, इसलिए वह कानून के अनुसार कार्य करेंगे।'' 'मुडा आवंटन घोटाले' के संबंध में सिद्दरामय्या के खिलाफ अभियोजन की अनुमति मांगने संबंधी याचिका को लेकर गेंद अब राज्यपाल के पाले में है और सभी की निगाहें राजभवन पर हैं कि थावरचंद गहलोत क्या निर्णय लेते हैं। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने अधिवक्ता-कार्यकर्ता टी जे अब्राहम द्वारा दाखिल याचिका पर 26 जुलाई को 'कारण बताओ' नोटिस जारी करके मुख्यमंत्री को उनके खिलाफ आरोपों पर सात दिन में जवाब देने को कहा था और यह बताने

को कहा था कि उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी क्यों नहीं दी जानी चाहिए।राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री को जारी किए गए कारण बताओ 'नोटिस' को वापस लेने का राज्यपाल से आग्रह किया था और साथ ही राज्यपाल पर संवैधानिक पद का ''घोर दुरुपयोग'' करने का आरोप लगाया था। यह पूछे जाने पर कि क्या राज्यपाल ने उन्हें एक और नोटिस दिया है, मुख्यमंत्री ने कहा, केवल एक नोटिस भेजा गया था, जिसका हमने जवाब दे दिया है।

वहीं, इस सवाल पर कि क्या राज्यपाल ने मुख्य सचिव को बुलाकर उनसे स्पष्टीकरण मांगा था, उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं मालूम। मुझे केवल इतना पता है कि कार्यभार संभालने के बाद नयी मुख्य सचिव शालिनी रजनीश दिल्ली से लौटने पर राज्यपाल से मिलने गई थीं।'' सिद्दरामय्या ने दावा किया कि विपक्ष सरकार को अस्थिर करने के लिए उन्हें निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा, ''उन्होंने (भाजपा ने) पहले 'ऑपरेशन कमल' की कोशिश की थी, लेकिन सफल नहीं हुए थे, इसलिए अब भाजपा और जद (एस) दोनों एक साथ मिल गए हैं और सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि सिद्दरामय्या गरीबों के लिए काम कर रहा है और हम गारंटी योजनाएं लागू कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि विपक्ष इसे पचा नहीं पा रहा है, क्योंकि वे गारंटी योजनाओं के विरोधी हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष झूठे आरोपों के जरिए सरकार को अस्थिर करने के अपने प्रयासों में सफल होगा, मुख्यमंत्री ने कहा, सत्य की हमेशा जीत होती है। विपक्ष का आरोप है कि मुडा ने उन लोगों को मुआवजे के तौर पर भूखंड आवंटित करने में अनियमितता बरती, जिनकी ''जमीन का अधिग्रहण'' किया गया है। मुआवजे के तौर पर भूखंड प्राप्त करने वालों में सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती भी शामिल हैं। इसके खिलाफ मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सप्ताह भर की बेंगलूरु से मैसूरु की पदयात्रा शुरू की गयी है। आरोप है कि एमयूडीए ने पार्वती को उनकी तीन एकड़ से अधिक क्षेत्रफल की जमीन के बदले में 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे।

कॉलेज स्तर पर विद्यार्थियों को सही और गलत समझाने के लिए चिंतन शिविर आयोजित हो : हरिभाऊ वागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने बुधवार को राजभवन में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के विशेष दीक्षांत समारोह में प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु के पूर्व निर्देशक प्रो. गोवर्धन मेहता और बफेलो यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, संयुक्त राज्य अमेरिका के अध्यक्ष प्रो. सतीश के. त्रिपाठी को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान के प्रकाश पुंज होते हैं। समाज की विशिष्ट और परिवर्तनकारी भूमिका निभाने वाली विभूतियों को सम्मानित करना शिक्षा की स्वस्थ परंपरा है। इससे विद्यार्थियों को भी निरंतर नया और परिवर्तनकारी अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है।

बागड़े ने संस्कारों से विद्यार्थियों के दूर होते जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में संस्कार निर्माण के लिए कार्य हो। उन्होंने कहा कि किसी आपदा में जरूरतमंद की मदद नहीं कर वीडियो बनाना संवेदनहीनता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक मूर्तिकार होता है। वह विद्यार्थी के जीवन को गढ़ता है। इसलिए मेरी अपेक्षा है कि प्रदेश के विश्वविद्यालय चरित्र निर्माण की पाठशाला बने।

उन्होंने कॉलेज स्तर पर विद्यार्थियों को सही और क्या गलत है, इसके बारे में चिंतन शिविर आयोजित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसी शिविरों में वह स्वयं सम्मिलित होना चाहेंगे।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों मे मौलिक शोध और पीएचडी कोर्सेज में राजस्थान की रैंकिग विश्वभर में अग्रणी करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्राचीन शास्त्रों और आधुनिक ज्ञान के आलोक में शोध पेटेंट की संख्या बढ़ाने और नैक एक्रिडिएशन में राजस्थान को देशभर में अग्रणी बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों को इनोवेटिव, मेधावी बनाने और किताबों के बोझ से मुक्त कर उनके भीतर आत्मविश्वास भरने का कार्य करने पर जोर दिया।

इससे पहले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश चंद्रा ने विश्वविद्यालय के कार्यों से अवगत कराया। समारोह में राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल, विभिन्न संकायों के डीन, डायरेक्टर, गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कोलायत में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में बारिश का दौर अभी थमता नजर नहीं आ रहा है। बीते 24 घंटे के दौरान राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश देखी गई है। राजस्थान में सर्वाधिक भारी बारिश पश्चिमी राजस्थान के कोलायत मगरा (बीकानेर) में 132.0 मिलीमीटर में दर्ज की गई है। खासकर मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में भारी से ज्यादा भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने पश्चिमी राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में 11 अगस्त तक हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जताया है। इसको लेकर पूरे पांच दिन यलो अलर्ट जारी किया है। यही नहीं पूर्वी राजस्थान में सात अगस्त को भारी से ज्यादा भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद 11 अगस्त तक पूर्वी राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान अलवर, भरतपुर, धौलपुर, झुंझुनू और सीकर जिलों के विभिन्न हिस्सों में भारी से ज्यादा भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं दौसा, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर, टोंक, बीकानेर, चुरू, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों के विभिन्न हिस्सों में जोरदार बारिश का चलो अलर्ट जारी किया गया है। पीटीआई भाषा की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 24 घंटे में राज्य में कई जगहों पर बादल गरजने के साथ बारिश हुई। इस दौरान, सबसे अधिक 132 मिलीमीटर बारिश बीकानेर के कोलायत में दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुई चौबीस घंटे की अवधि में जालोर के सांचौर में 62 मिलीमीटर, बाड़मेर के गिड़ा में 46 मिलीमीटर, नागौर के जायल में 35 मिलीमीटर, सीकर के श्रीमाधोपुर में 31 मिलीमीटर, पाली में 30 मिलीमीटर और जोधपुर में 27 मिलीमीटर बारिश हुई। राज्य में कई दिनों से जारी बारिश का असर रेल सेवाओं पर भी पड़ा है। उत्तर-पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता के मुताबिक, जोधपुर मंडल के केरला-रोहट, मारवाड़ खारा-मारवाड़ बिठडी और फलोदी-मलार खंड के बीच पानी भर जाने से ट्रेन परिचालन प्रभावित हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि 12461 जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस, 14821 साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस, 04841 जोधपुर-भीलड़ी एक्सप्रेस, 04842 भीलड़ी-जोधपुर एक्सप्रेस और 12462 साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस बुधवार को रद्द रहेगी। इसके अलावा, कई ट्रेन के मार्ग में बदलाव किया गया है।

राजस्थान में राज्यसभा की एक सीट के लिए उपचुनाव तीन सितंबर को

जयपुर। राजस्थान में राज्यसभा की एक रिक्त सीट के लिए उपचुनाव तीन सितंबर को होगा। यह सीट कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल के राज्यसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दिए जाने के कारण खाली हुई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्यसभा की रिक्त 12 सीट के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा बुधवार को की। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया 14 अगस्त को अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू होगी। राज्यसभा उप चुनाव की प्रक्रिया राज्य विधानसभा परिसर में होगी। उन्होंने बताया, निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, उपचुनाव के लिए 21 अगस्त तक नामांकन पत्र भरे जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को होगी, जबकि 27 अगस्त तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे। अधिकारी ने बताया कि आवश्यक होने पर मतदान तीन सितंबर को प्रातः नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा तथा मतगणना इसी दिन शाम में होगी।

दौसा में खुर्शीद के बयान पर राठौड़ बोले

कांग्रेसी चाहते हैं भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। जब से बांग्लादेश अवामी लीग नेता शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ा है। उसके बाद से कई तरह के बयान कांग्रेस की तरफ से आने लगे हैं। इनमें से पिछले दिनों सलमान खुर्शीद ने यहां तक कह दिया था कि हो सकता है, जिस तरह बांग्लादेश में हालात हुए हैं। वह हालत भारत में भी पैदा हो जाएं।

वहीं, सलमान खुर्शीद के बयान पर तंज कसते हुए राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा, कांग्रेस के अंदर ऐसे बहुत से लोग हैं। जो चाहते हैं बांग्लादेश की तरह भारत में भी हो जाए। इधर, कांग्रेस पर हमला बोलते हुए राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा, कांग्रेस बौखला गई है, बेचैन हो गई है। कांग्रेस को ऐसा लग रहा था कि यह सत्र नहीं चला पाएंगे। लेकिन इतना शानदार सत्र निकलने के बाद कांग्रेस में बौखलाहट है। इसी के चलते गलत शब्दों का इस्तेमाल गलत भावों का इस्तेमाल करना, यह सब इन कांग्रेसियों की नीति थी। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा है कि ऐसा लगता है कि सलमान खुर्शीद ऐसा चाहते हैं कि जैसा बांग्लादेश में हुआ है वैसा भारत में भी हो जाए। ऐसी सोच सलमान खुर्शीद की ही नहीं, बल्कि कई कांग्रेसियों की है। जो चाहते हैं देश बंटे। चाहे जाति में बंटे या धर्म के नाम पर बंटे। ऐसी कांग्रेस की सोच है। बीजेपी की सोच कांग्रेस की सोच बिल्कुल विपरीत है। हम चाहते हैं, देश एक साथ सभी के विकास के साथ मजबूत देश बने।

भारत की जनता का लोकतंत्र में विश्वास : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के एक बयान पर पलटवार करते हुए बुधवार को कहा कि भारत मजबूत देश है और यहां की जनता का लोकतंत्र में विश्वास है। खुर्शीद ने मंगलवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा था, ऊपरी तौर पर भले ही सब कुछ सामान्य लगे, लेकिन बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह भारत में भी हो सकता है। इस बारे में पूछे जाने पर नागर ने टोंक में संवाददाताओं से कहा, भारत एक मजबूत देश है। हमारे यहां मजबूत लोकतंत्र है। इसलिए यहां वैसे हालात बनने की कोई संभावना नहीं है।

उन्होंने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक मजबूत देश है। नागर ने कहा, देश की सुरक्षा व आंतरिक सुरक्षा को लेकर हमारा देश मजबूत है। हमारे देश की जनता का लोकतंत्र में विश्वास है। हमारे देश की जनता सोच समझकर निर्णय करती है। यहां पर चुनाव पर कोई भी उंगली नहीं उठा सकता। निष्पक्ष चुनाव होते हैं। यहां की जनता का लोकतंत्र में विश्वास है।

पेड़ लगाकर हम क्लाइमेट चेंज के दुष्परिणामों को रोक सकते हैं : दीया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है कि हम सबको न केवल पेड़ लगाने चाहिये बल्कि जैसे परिवार के सदस्यों विशेषकर मां का ध्यान रखते है वैसे ही पेड का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण और उसकी देखरेख के दौरान अपनी मां को भी साथ रखे ताकि उन्हें यह महसूस हो की आप उनका भी ख्याल रखते है क्योकि व्यस्तता के चलते कई लोग अपने परिवार को समय नही दे पाते है। उपमुख्यंत्री बुधवार को एक पेड मां के नाम अभियान के तहत 75 वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के अवसर पर नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा विधाधर नगर स्टेडियम में पौधारोपण के लिए आयोजित हरियालो राजस्थान कार्यक्रम को सम्बोधित कर रही थी।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों से संवाद करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गर्मियों के मौसम में गर्मी लगातार बढ रही है, अतिवृष्टि हो रही है। मौसम में लगातार और तेजी से हो रहे यह बदलाव साबित करते है कि क्लाइमेट चेंज हो रहा है, ग्लोबल वार्मिंग लगातार बढ रही है। यह सब हमारी पीढ़ी की गलतियों के दुष्परिणाम है। उन्होनें बच्चों से कहा की आप देश का भविष्य हो, आप पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर भविष्य को अच्छा कर सकते हो ताकि इन दुष्परिणामों से बचा जा सके।

उपमुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हरयाली तीज की बधाई देते हुए उनसे अपील की है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वह हर तरीका अपनाये जो हम कर सकते है जैसे छतों पर बरसने वाले पानी का संग्रहण, बिजली-पानी की बचत, वृक्षारोपण आदि। उन्होनें कहा कि हमे सुधार की शुरूआत अपने घर से करनी होगी क्योकि नागरिकों के सहयोग से ही किसी भी अभियान को सफल बनाया जा सकता है। उन्होनें कहा की हर वर्ग को प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए अपना सहयोग देना होगा। इस पर्यावरण को सहेजने की जितनी जिम्मेदारी सरकार की है उतनी ही नागरिकों भी है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा की हमे देश के प्रधान सेवक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारे लगाने चाहिए। उन्होंने हर वर्ग का ख्याल रखा है और उनके उत्थान के लिए अभियान चलाये है।

एक पेड मां के नाम अभियान भी प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच का परिणाम है जिसके माध्यम से वे देश को क्लाइमेट चेंज के प्रभाव से बचाना चाहते है। उन्होनें हमे एक बडी जिम्मेदारी सौपीं है और हमारा दायित्व बनता है की हम बढ चढकर इसको पूरा करे। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है की रोज एक पेड लगाये और उसे सहेजकर बड़ा करे ।

पौधारोपण में अग्रणी राज्य बनेगा राजस्थान : गोदारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। हनुमानगढ़ जंक्शन स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में बुधवार को 75वां वन महोत्सव हुआ। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान (हरियालो राजस्थान-एक पेड़ मां के नाम) में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा ने पौधारोपण किया। उन्होंने जिलेवासियों के साथ पौधे रोपते हुए उन्हें देखभाल की जिम्मेदारी भी सौंपी। जिला प्रभारी मंत्री गोदारा ने समारोह में कहा कि प्रकृति को हरा-भरा रखना हमारा कर्तव्य है। ''एक पेड़ मां के नाम'' रोपते हुए उसकी परवरिश भी करनी होगी। यह महाअभियान एक सामाजिक सरोकार है जो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हरियालो राजस्थान की संकल्पना को साकार करेगा। यह प्रकृति संरक्षण की दिशा में यह आशा की किरण है, जिसकी चमक भविष्य को सुरक्षित बनाएगी। यह एक क्रांति है, इससे युवाओं में पर्यावरण संरक्षण का भाव जागृत होगा। गोदारा ने सभी संस्थाओं और आमजन से मानसून में अधिकाधिक पौधारोपण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस मानसून में देश में सबसे अधिक पौधारोपण में राजस्थान अग्रणी राज्य बन रहा है। ऐसे में हमारा प्रदेश भविष्य में ''हरियालो राजस्थान'' नाम से पहचाना जाएगा।

जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह अन्नदाताओं का जिला हैं। यहां के किसानों ने पौधों को बच्चों की तरह पाला है। पूरा विश्वास है कि किसानों का यह अमूल्य प्रयास जिले के विकास को गति प्रदान करेगा। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश में हनुमानगढ़ जिला खेती, खेल और शिक्षा सहित हर क्षेत्र में अग्रणी हैं। हनुमानगढ़ विधायक गणेश राज बंसल ने कहा कि पौधों से ही हमारी प्रकृति सुरक्षित रहेगी। इसलिए अधिकाधिक पौधे लगाए। भादरा विधायक संजीव बेनीवाल ने कहा कि पौधारोपण से ही धरा को हरा-भरा रख सकेंगे। प्रति व्यक्ति एक पौधा जरूर रोपें।

जिला प्रभारी सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने कहा कि हरियाली से मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ेगी और अच्छी उपज होगी। इससे हमारा स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा। किसान अपने खेत की 5 फीसदी जगह पर पौधारोपण अवश्य करें। जिला कलेक्टर काना राम ने कहा कि हरियालो राजस्थान में हमारा जिला अग्रणी बनेगा। इस बार 16.22 लाख पौधारोपण का लक्ष्य है। जनसहभागिता से अभी तक 10.50 लाख सुरक्षित पौधे लगाए गए हैं। उप वन संरक्षक सुरेश आबूसरिया ने कहा कि हरियाली तीज पर जिले में 4.60 लाख पौधे लगाए गए हैं।

समारोह में जिला प्रभारी मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वृक्ष मित्रों को सम्मानित किया। इनमें रमेश शाक्य, रघुवीर सिंह, रवि मील, मलकीत सिंह, काशीराम गोदारा, सुनील स्वामी, संदीप माहर, श्रीमती सुलोचना देवी, योगेश कौशिक, रमन, राजेश कुमार, हंसराज मान को सम्मानित किया गया।

पौधारोपण महाअभियान में लहरिया पहनकर आई महिलाओं ने पौधारोपण किया। गणमान्य नागरिकों, गैर सरकारी संगठनों, ट्रस्ट, राजीविका से जुड़ी महिलाओं, जनप्रतिनिधि, साधु-संत, गौशाला संचालक, व्यवसायी, भामाशाह, विद्यार्थी, प्रशासन सहित हर वर्ग ने पौधे लगाए। जिले के प्रत्येक राजकीय कार्यालय, खेल मैदान, राजकीय व निजी विद्यालय, महाविद्यालय, चारागाह, राजकीय भूमि, सड़क किनारे, गांव व शहरों सार्वजनिक और सुरक्षित स्थानों पर पौधारोपण किया गया।

प्रदेशभर में इक्कीस हजार पौधे लगाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सावन के महीने और हरियाली तीज के शुभ अवसर पर राजस्थान आवासन मंडल की ओर से भी वृक्षारोपण किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में चलाए जा रहे अभियान के तहत राजधानी के सिटी पार्क में हुए मुख्य कार्यक्रम में आवासन मंडल के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे और पौधारोपण किया।

प्रदेशभर में किया 21 हजार पौधारोपण आवासन आयुक्त इंद्रजीत सिंह के मार्गदर्शन और निर्देशन में राजस्थान आवासन मंडल की ओर से प्रदेशभर में एक लाख से ज्यादा पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है, इसी कड़ी में बुधवार को 21 हजार से ज्यादा पौधों का रोपण किया गया। राजधानी में हुए मुख्य कार्यक्रम में आवासन मंडल के सचिव डॉ. अनिल पालीवाल समेत कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे और पौधारोपण किया।

इस मौके पर आवासन आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने कहा कि पर्यावरण के प्रति हम सभी को अपनी जिम्मेदारी और भागीदारी निभानी होगी। सिंह ने खास तौर पर युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि सभी अपने आने वाले भविष्य को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधा रोपण करें, साथ ही उनका संरक्षण भी करें। प्रकृति ने हमें जीवन दिया, अब संरक्षण हमारी जिम्मेदारी-सचिव इस मौके पर आवासन मंडल के सचिव डॉ. अनिल पालीवाल ने कहा कि प्रकृति ने हमें जीवन दिया है, अब प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है। इसी कड़ी में आवासन मंडल की ओर से लगातार पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें आमजन की ओर से भी उच्च स्तर की भागीदारी देखी जा रही है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रतीक श्रीवास्तव, यूनियन के पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में मंगलवार देर रात सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जिनमें एक दंपति व उसकी नाबालिग बेटी भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि हादसे में एक साल की बच्ची घायल हो गई। पुलिस के मुताबिक, निम्बाहेड़ा सदर थाना क्षेत्र में यह हादसा उस समय चित्तौड़गढ़-निम्बाहेड़ा राजमार्ग पर हुआ जब एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। बाइक पर छह लोग सवार थे। मृतकों में से दो एक कारखाने में मजदूर के रूप में काम करते थे और हादसे के समय काम से लौट रहे थे।

थानाधिकारी संजय शर्मा ने बताया भावलिया गांव के पास एक भारी वाहन ने बीती रात बाइक को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में एक महिला और आठ साल की बच्ची समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक साल की बच्ची घायल हो गई। शर्मा ने बताया कि मृतकों की पहचान रोशन (32), उसकी पत्नी रामकन्या (30) और उनकी बेटी तारा (11) के तौर पर हुई है। इनके अलावा दो अन्य मृतकों में दंपति का रिश्तेदार नारू (32) और दोस्त जीवन (38) शामिल है।

पश्चिम बंगाल की आर्थिक नाकेबंदी कर रखी हे केंद्र सरकार ने : तृणमूल सांसद जवाहर सरकार

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने केंद्र सरकार पर गैर भाजपा शासित राज्यों के साथ भेदभाव करने और प्रतिशोध की भावना से काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र ने पश्चिम बंगाल की आर्थिक नाकेबंदी कर रखी है।

उच्च सदन में आम बजट से जुड़े विनियोग विधेयक और जम्मू कश्मीर के बजट से जुड़े विनियोग विधेयकों पर संयुक्त चर्चा में भाग लेते हुए तृणमूल कांग्रेस के जवाहर सरकार ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के 34 हजार करोड़ रुपए रोक रखे हैं। उन्होंने कहा कि यह धनराशि क्यों रोकी गई, इसके बारे में वह निश्चित तौर पर कुछ नहीं कह सकते किंतु ऐसा प्रतीत होता है कि यह प्रतिशोध की नीति के कारण किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की वर्तमान सरकार ने पश्चिम बंगाल सरकार की आर्थिक नाकेबंद कर रखी है। उन्होंने प्रश्न उठाया कि भारत सरकार ने उपकर और अतिरिक्त शुल्क को अविभाज्य पूल में क्यों रखा है, इसे राज्यों को क्यों नहीं दिया जाना चाहिए?

सरकार ने कहा कि केंद्र के संकेत समझ कर बैंक भी अलग अलग राज्यों में एक समान तरीके से ऋण नहीं दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे संघवाद की रीढ़ की हड्डी टूट जाएगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रस्तावों को मंजूरी नहीं दी गई क्योंकि ''हम आपके साथ नहीं हैं।''

तृणमूल सदस्य ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) का उल्लेख करते हुए कहा कि 70 प्रतिशत पीएलआई केवल एक राज्य को गया है और वह राज्य है गुजरात। उन्होंने वित्त मंत्री को चुनौती दी कि वह उनके इस दावे को गलत साबित करके दिखायें। उन्होंने सरकार से मांग की कि पीएलआई से जुड़े सारे दस्तावेजों को सदन के पटल पर रखा जाए ताकि आम जनता को इसके बारे में जानकारी मिल सके।

एनआईए ने पीएलएफआई जबरन वसूली, आतंकी गिरोह मामले में झारखंड में छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पीएलएफआई जबरन वसूली और आतंकी गिरोह मामले में झारखंड के खूंटी जिले में बुधवार को दो स्थानों पर छापे मारे। एजेंसी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार एनआईए के दलों ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) से जुड़े संदिग्धों के परिसरों पर छापे मारे और कई डिजिटल उपकरण तथा अपराध में इस्तेमाल दस्तावेज बरामद किए।

यह मामला झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में पीएलएफआई सदस्यों द्वारा विभिन्न कोयला व्यापारियों, ट्रांसपोर्टर, रेलवे ठेकेदारों और व्यापारियों से जबरन वसूली किये जाने से संबंधित है। बयान में कहा गया है कि पीएलएफआई सदस्यों ने समाज में, विशेषकर कारोबारियों और ठेकेदारों के बीच आतंक पैदा करने के उद्देश्य से हत्या, आगजनी और हिंसक हमलों समेत विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश भी रची थी।

ओडिशा में 25 स्थानों पर 100 मिलीमीटर से अधिक वर्षा दर्ज की गई

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कई इलाकों में छह अगस्त से हो रही भारी बारिश के बाद राज्य के कम से कम 25 स्थानों पर 100 मिलीमीटर से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। आईएमडी ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के भुवनेश्वर केंद्र की एक रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को सुबह 8.30 बजे तक पिछले 24 घंटों में कटक जिले के बांकी और नयागढ़ जिले के भापुर में बुधवार को क्रमशः 317 मिलीमीटर और 210 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मौसम कार्यालय ने कहा कि इसी तरह इस अवधि में खुर्दा जिले के बेगुनिया और बोलागढ़, ढेंकनाल के हिंडोल, सोनेपुर के बिनिका और बिरमहाराजपुर, नबरंगपुर के दबगांव और तेंतुलीखूंटी और कालाहांडी जिले के धरमगढ़, केसिंघा और बारला सहित 17 स्थानों पर 121 से 196 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा, ओडिशा में कुछ अन्य 10 स्थानों पर 95.4 से 115 मिमी तक बारिश हुई। बारिश के बाद निचले इलाकों मे हुए जलभराव के कारण आवाजाही प्रभावित हुई है। बौध जिले के कम से कम 30 गांवों के लोग राज्य के बाकी हिस्सों से कट गए ,वही सोनपुर जिले के बिरमहाराजपुर ब्लॉक के कुछ गांवों का ब्लॉक मुख्यालय से सीधा संपर्क टूट गया है।

कांग्रेस एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों से प्रस्तावना हटाये जाने के बारे में झूठ फैला रही है : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पाठ्यपुस्तकों से (संविधान की) प्रस्तावना हटाने के बारे में झूठ फैलाने का बुधवार को आरोप लगाया।

प्रधान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने संविधान का सबसे अधिक अपमान किया है। उन्होंने संवाददाताओं कहा, ''विपक्ष के नेता ने कुछ ऐसे मुद्दे उठाए हैं जो तथ्यों से परे हैं। एक अखबार की खबर का हवाला देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पाठ्यपुस्तकों में शामिल प्रस्तावना को छठी कक्षा की पुस्तक से हटा दिया गया है। मैंने स्पष्ट किया कि छठी कक्षा के लिए एनसीईआरटी की नई पुस्तकों में प्रस्तावना, मौलिक कर्तव्य, मौलिक अधिकार और राष्ट्रगान जैसी सब चीजें हैं।'' प्रधान ने कहा, ''कांग्रेस हताश है...उसने संविधान का सबसे अधिक अपमान किया है और अब वह झूठ फैला रही है।'' इससे पहले, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने राज्यसभा में एनसीईआरटी की कुछ पाठ्यपुस्तकों से संविधान की प्रस्तावना को हटाने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह देश पर सांप्रदायिक विचारधारा थोपने का प्रयास है। कांग्रेस के इस दावे का केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा ने खंडन करते हुए कहा कि सरकार संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार पर एनसीईआरटी की कुछ पाठ्यपुस्तकों से संविधान की प्रस्तावना को हटाए जाने का आरोप लगाया था और सरकार से इस मामले में स्पष्टीकरण की मांग की थी।

खरगे ने इस मुद्दे को शून्यकाल में उठाया और अखबारों में छपी खबरों का हवाला देते हुए दावा किया कि एनसीईआरटी की कुछ पाठ्यपुस्तकों से संविधान की प्रस्तावना को हटा दिया गया है। उन्होंने इसे 'बहुत महत्वपूर्ण' मुद्दा बताते हुए कहा, ''प्रस्तावना हमारे संविधान की मूल आत्मा और संविधान तथा लोकतंत्र का मूलभूत आधार है।''

बांग्लादेश में स्थिति चिंता का विषय : हिमंत बिश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि बांग्लादेश में स्थिति पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने आशंका जताई कि पड़ोसी देश फिर से उग्रवादियों का केंद्र बन सकता है और वहां से लोग अवैध रूप से (पूर्वोत्तर) क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं।

शर्मा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि केंद्र बांग्लादेश की नई सरकार के साथ संवाद जारी रखेगा तथा पूर्वोत्तर राज्यों की चिंता उसकी बातचीत के एजेंडे में ऊपर रहेगी। मुख्यमंत्री ने डेरगांव में एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, ''हम बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रम से चिंतित हैं और यदि समस्या जारी रही तो हमें डर है कि इसका इस क्षेत्र पर दो तरह से असर पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सीमा की सुरक्षा की जानी चाहिए क्योंकि ''पड़ोसी देश के लोग भारत-बांग्लादेश सीमा के माध्यम से इस क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास कर सकते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''शेख हसीना के शासनकाल में पूर्वोत्तर क्षेत्र के उग्रवादियों को बांग्लादेश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा था। हमारे लिए यह चिंता का विषय होगा कि कहीं पड़ोसी देश फिर से उग्रवादियों का गढ़ न बन जाए।'' उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि पूर्ववर्ती बांग्लादेश सरकार के सहयोग से ''हम पूर्वोत्तर भारत में उग्रवाद की गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि पड़ोसी देश की नई सरकार भी इस सहयोग को बनाए रखेगी।'' बांग्लादेश में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शन में मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 440 हो गई। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी।

यह राजनीति करने के लिए सही समय नहीं: जगत सिंह का कंगना पर प्रहार

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के राजस्व एवं बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने बुधवार को कहा कि यह राजनीति करने के लिए सही समय नहीं है तथा मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद कंगना रनौत को जिम्मेदारी के साथ बोलना चाहिए। नेगी की टिप्पणी रनौत द्वारा हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए कुछ नहीं करने का आरोप लगाये जाने के बाद आई है। उन्होंने कहा, ''राजनीति करने के लिए यह सही समय नहीं है। नेगी ने कहा कि रनौत पहले मूर्खतापूर्ण बयान देती थीं लेकिन अब सांसद चुने जाने के बाद उन्हें कम से कम जिम्मेदारी से बात करनी चाहिए। 'पीटीआई-वीडियो' के साथ बातचीत के दौरान नेगी ने कहा कि इस तरह के बयान से बचाव कार्य में लगे लोगों का मनोबल गिरता है जो अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने रनौत से कहा कि यहां 'रेड अलर्ट' है और उन्हें नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह अब मौसम ठीक होने के बाद यहां आयी हैं और उन लोगों पर उंगली उठा रही हैं जो पहले दिन से ही मौके पर हैं। अठारह सौ करोड़ रुपए का जिक्र करते हुए नेगी ने कहा कि रनौत को इसकी जानकारी नहीं है। मंत्री ने रनौत से पूछा कि वह बताएं कि यह राशि किस मद के तहत दिए गए।

राहुल गांधी से मुलाकात के बाद चर्चा में आये मोची ने जिलाधिकारी से लगायी गुहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुलतानपुर (उप्र)/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात को लेकर चर्चा में आये मोची रामचेत के सरकारी योजनाओं से वंचित होने की शिकायत कराने के लिये कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने उसकी जिलाधिकारी से भेंट करायी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने रामचेत को साथ ले जाकर उसकी जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना से मुलाकात कराई और उन्हें बताया कि रामचेत सरकार की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं से वंचित है। राणा के मुताबिक, जिलाधिकारी ने उन्हें बताया कि उन्होंने जिला विकास अधिकारी को उसकी समस्याओं के संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

जिला विकास अधिकारी अजय पांडे ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वह समस्या को देखेंगे और आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

राणा ने बताया, रामचेत के घर तक सड़क नहीं बनी है। उसे कीचड़ से होकर जाना पड़ता है। रामचेत जैसे बहुत से लोग सरकारी सुविधाओं से वंचित हैं। इस मौके पर मौजूद मोची रामचेत ने बताया, मैं आज जिलाधिकारी से मिला और उन्हें बताया कि मेरे पास सरकारी आवास, बिजली कनेक्शन और शौचालय आदि सरकारी सुविधाएं नहीं हैं। यहां तक जो राशनकार्ड था वह भी डेढ़ महीने पहले निरस्त कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने जांच कराकर एक सप्ताह के बाद बुलाने की बात कही है।

रामचेत ने कहा कि वह अपनी समस्या को लेकर कई बार ग्राम प्रधान से भी मिला लेकिन किसी ने उसकी नहीं सुनी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 26 जुलाई को मानहानि के एक मामले में जिला अदालत में पेशी के बाद लौटते समय सुलतानपुर के विधायक नगर में मोची की दुकान पर अचानक पहुंच गए थे। तब से कांग्रेसजन रामचेत की समस्याओं को लेकर काफी मुखर हो गए हैं।

मोदी सरकार का नजरिया देश के लोगों को अपने पैर पर खड़ा करने का है: राजीव प्रताप रुडी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद राजीव प्रताप रुडी ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि बजट बनाते वक्त सरकार को देश के अंदरूनी ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय हलचलों एवं घटनाक्रमों को भी ध्यान में रखना पड़ता है, क्योंकि दूसरे देशों में जारी गतिविधियों का भी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ता है।

रुडी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का नजरिया देश के लोगों को अपने पैर पर खड़ा करने का है। उन्होंने निचले सदन में वित्त विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि मोदी सरकार एक बार ''मछली खिलाने में विश्वास नहीं रखती, मछली मारना सिखाने में विश्वास रखती है''। उन्होंने इसे स्पष्ट करते हुए कहा कि मोदी सरकार देश के लोगों को अपने पैर पर खड़ा करने में ज्यादा विश्वास रखती है, न कि एक बार कोई फायदा पहुंचा देने में। रुडी ने कहा कि बजट बनाते वक्त सरकार को विभिन्न परिस्थितियों का ध्यान रखना पड़ता है।

कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं: हेमंत सोरेन ने की लोगों से अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को राज्य के सभी लोगों से पर्यावरण को हो रहे नुकसान की भरपाई के लिए कम से कम एक पेड़ लगाने का आह्वान किया। सोरेन रांची के जैव विविधता उद्यान में 75वें वन महोत्सव में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम दो प्रकार की जीवनशैली के साथ आगे बढ़ रहे हैं- 'विकासशील' और 'विनाशशील'। हम प्राकृतिक वनों को हटाकर कंक्रीट के जंगल बना रहे हैं। प्रकृति समय-समय पर सूखे, बाढ़ जैसे असंतुलन के बारे में चेतावनी देती रहती है और अन्य आपदाओं के कारण, अब हमें यह तय करना है कि पर्यावरणीय क्षति की भरपाई कैसे की जाए।'' उन्होंने कहा, ''चीजें एक दिन में नहीं बदलेंगी, हमें निरंतर प्रयास करना होगा।'' सोरेन ने बताया कि लगभग 11 साल पहले उन्होने सरकारी समारोहों में मेहमानों को गुलदस्ते के बदले पौधे देने की अपील की थी जिसका अनुसरण अब सभी लोग कर रहे है। उन्होंने कहा, ''एक पेड़ लगाएं, जिससे पर्यावरण को होने वाले नुकसान की कुछ हद तक भरपाई हो सकेगी। वन विभाग ने इस साल राज्य भर में 2.25 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) संजय श्रीवास्तव ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे है।

लैला को देखना है तो मजनू की आंख से देखो, बजट देखना है तो गरीब की आंख से देखो : भाजपा सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद माधवनेनी रघुनंदन राव ने बुधवार को बजट की आलोचना किए जाने को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि ''लैला को देखना है तो मजनू की आंख से देखो और बजट देखना है तो गरीब की आंख से देखो।''

उन्होंने वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कि सरकार ने देश के सभी वर्गों को ध्यान में रखकर बजट तैयार किया है। तेलंगाना के मेडक से सांसद राव ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, ''अगर लैला को देखना है तो मजनू की आंख से देखो। बजट को देखना है तो गरीब की आंख से देखो।'' उन्होंने कहा कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी को बजट में समान अवसर दिया गया है। वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि सिर्फ नई कर प्रणाली के लिए सारे फायदे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी कर प्रणाली को भी समान रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बजट में जिस तरह के कदम उठाए गए हैं उससे लोगों का सरकार का विश्वास में कम होता है। ओवैसी ने कहा कि स्वास्थ्य और जीवन बीमा के प्रीमियम से जीएसटी हटाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या राज्य पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए तैयार हैं।

बजट महंगाई, बेरोजगारी व आम लोगों से जुड़े मुद्दों का हल करने में नाकाम रहा : विपक्ष

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को विभिन्न विपक्षी दलों ने सरकार पर तीखा हमला बोला और दावा किया कि मौजूदा वित्त वर्ष का बजट महंगाई, बेरोजगारी सहित आम लोगों से जुड़े मुद्दों का हल करने में नाकाम रहा है। वहीं सत्ता पक्ष ने जोर दिया कि इस बजट में गरीब, किसान, युवा एवं समाज के सभी तबकों का ख्याल रखा गया है। उच्च सदन में विनियोग (संख्यांक दो) विधेयक 2024 और जम्मू कश्मीर विनियोग (संख्यांक तीन) विधेयक 2024 पर चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सदस्य शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है न कि उद्योग प्रधान और सरकार को यह बात समझनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता कृषि होनी चाहिए। गोहिल ने खेती से जुड़ी चीजों पर जीएसटी लगाए जाने का विरोध किया और इसे हटाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार प्लैटिनम पर उत्पाद शुल्क में कमी करती है लेकिन खेती से संबंधित चीजों पर लगने वाली जीएसटी में कमी नहीं करती। उन्होंने सिंथेटिक हीरे का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार को इस पर नियंत्रण करने की जरूरत है क्योंकि सिंथेटिक हीरे का असर गुजरात के सूरत में दिखने लगा है और हीरे की पॉलिश वाले कारखाने बंद होने लगे हैं। कांग्रेस सदस्य ने कहा कि सरकार का दावा था कि संविधान का अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू कश्मीर में शांति हो जाएगी लेकिन वहां कहां शांति है। उन्होंने अग्निवीर योजना का भी विरोध किया और कहा कि यह उचित योजना नहीं है। उन्होंने गृह एवं सहकारिता मंत्रालयों को एक साथ करने पर भी आपत्ति जतायी और कहा कि दोनों में कोई सह-संबंध ही नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले कृषि एवं सहकारिता मंत्रालय साथ होते थे।

ओलंपिक में इतिहास रचने वाली मनु भाकर का स्वदेश वापसी पर भव्य स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्टार पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर किसी एक ओलंपिक में दो पदक जीतने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बाद बुधवार को जब स्वदेश पहुंची तो लगातार हो रही बूंदाबांदी के बावजूद सैकड़ों समर्थकों और उनके परिजनों ने यहां उनका भव्य स्वागत किया।

मनु को पेरिस से दिल्ली लाने वाली एयर इंडिया की उड़ान (एआई 142) एक घंटे की देरी से सुबह करीब नौ बजकर 20 मिनट पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। शहर में सुबह से हो रही बूंदाबांदी के बावजूद उनके आगमन से काफी पहले से हवाई अड्डे पर इंतजार कर रहे सैकड़ों लोगों ने उनका और उनके कोच जसपाल राणा का जोरदार स्वागत किया। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य और फिर सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता। वह स्वतंत्रता के बाद किसी एक ओलंपिक खेल में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी है। उनसे पहले, केवल ब्रिटिश मूल के भारतीय एथलीट नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर स्प्रिंट और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी। मनु ने भारत रवाना होने से पहले कहा था कि वह भव्य स्वागत की उम्मीद कर रही हैं और निराशा नहीं हुई। यह युवा खिलाड़ी जैसे ही हवाई अड्डे से बाहर निकली उनका गुलदस्तों, मालाओं और ढोल बजाकर स्वागत किया गया। मनु और उनके कोच जसपाल राणा के बाहर निकलने पर उन पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाई गई। मनु और राणा को इसके बाद लोगों ने अपने कंधों पर उठा दिया।

प्रधानमंत्री रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवा सकते हैं तो विनेश को न्याय क्यों नहीं दिलवा सकते : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने महिला पहलवान विनेश फोगाट के ओलंपिक स्पर्धा से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद बुधवार को आरोप लगाया कि हिंदुस्तान की इस बेटी के खिलाफ षड्यंत्र रचा गया है। मुख्य विपक्षी दल ने तंज कसते हुए यह सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगर रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवा सकते हैं वो विनेश को न्याय क्यों नहीं दिलवा सकते?

महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती स्पर्धा के फाइनल से पहले वजन अधिक पाए जाने के कारण विनेश फोगाट को बुधवार को ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश ने ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनकर इतिहास रचा था। उन्हें आज देर रात स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलना था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विनेश के मामले को लेकर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विश्वविजेता पहलवानों को हराकर फाइनल में पहुंचीं भारत की शान विनेश फोगाट का तकनीकी आधार पर अयोग्य घोषित किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। हमें पूरी उम्मीद है कि भारतीय ओलंपिक संघ इस निर्णय को मजबूती से चुनौती देकर देश की बेटी को न्याय दिलाएगा।'' उन्होंने कहा कि विनेश हिम्मत हारने वालों में से नहीं हैं तथा पूरा भरोसा है कि वह अखाड़े में और अधिक मजबूती से वापसी करेंगी। राहुल गांधी ने कहा, ''आपने हमेशा देश को गौरवान्वित किया है विनेश। आज भी पूरा देश आपकी ताक़त बनकर आपके साथ खड़ा है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इस मुश्किल समय में करोड़ों देशवासी उसी उत्साह के साथ आपके (विनेश) साथ खड़े हैं, जैसा पूरी स्पर्धा के दौरान थे। मेरी बहन, खुद को अकेले मत समझना और याद रखना कि आप हमारी चैम्पियन थीं और आप हमेशा हमारी चैम्पियन रहेंगी। मुझे पूरा भरोसा है कि आप और ज्यादा मजबूत तरीके से वापसी करेंगी। ढेर सारा प्यार।''

सुविचार

पढ़ाई कमाने के लिए नहीं होती, पढ़ाई कुछ नया सीखने के लिए होती है, जितना आप आज सीखोगे, उतना ही बेहतर अपना भविष्य बनाओगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कस राह पर टेन?

ब्रिटेन समेत यूरोप के कई देश आंतरिक सुरक्षा के संकट का सामना कर रहे हैं, जो भविष्य में और गंभीर हो सकता है। इन देशों के मौजूदा हालात को देखकर यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा कि ये 'बारूद' के ढेर पर बैठे हैं। अगर आने वाले दौर में हालात नहीं सुधरे तो एक 'चिन्गारी' इनकी दशा और दिशा बदल सकती है। बेशक ब्रिटेन के इतिहास में क्रूरता और साम्राज्यवाद के ऐसे कई अध्याय हैं, जिन्हें नैतिकता और मानवता की दृष्टि से बिल्कुल भी उचित नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन दूसरे विश्वयुद्ध के बाद इस देश के रवैए में काफी बदलाव आ गया था। ब्रिटेन अपने शांत वातावरण, नागरिकों के जीवन की सुरक्षा और भविष्य को लेकर आशावादी नजरिए के लिए जाना जाता 'था'। इस 'था' में ऐसा बहुत कुछ था, जो अब नहीं है। अब वहां से खबरें आती हैं- 'ब्रिटेन में हिंसा भड़की ... विशेष प्रशिक्षण प्राप्त पुलिसकर्मी तैयार ... बेकाबू हो रहे हालात!' वर्षों पहले भारत से ब्रिटेन गए लोगों ने भी अपनी मेहनत से इस देश को संवारा था। वे इसे अपने सपनों का ऐसा देश मानते थे, जहां उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। अब वहां जैसे हालात पैदा हो रहे हैं, उन्हें देखकर सपनों के देश की नींव हिलती महसूस हो रही है। साउथ पोर्ट में तीन लड़कियों की चाकू घोंपकर हत्या की घटना के बाद जिस तरह सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैली और झड़पें शुरू हुईं, उससे इस देश के सुरक्षा तंत्र पर बहुत बड़ा सवालिया निशान लगता है। ब्रिटिश मीडिया दुनियाभर की खबरों की सच्चाई का पता लगाने का दावा करता है, तथ्यों की जांच करता है, लेकिन अपने देश में हुई घटना के सही तथ्य जनता के सामने सही तरीके से नहीं रख पाया!

उन तीन बच्चियों की हत्या की घटना बहुत दु:खद है। सभ्य समाज में हिंसा और उपद्रव के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सबके जान-माल की सुरक्षा करे। आज ब्रिटेन अपने शासकों द्वारा अतीत में की गईं गंभीर गलतियों के नतीजे भुगत रहा है। उन्होंने एक ऐसे काल्पनिक समाज का निर्माण करने की कोशिश की थी, जिसमें ब्रिटिश मूल्यों की घोर अनदेखी की गई। उन्होंने पाकिस्तान, अफगानिस्तान, सीरिया, लीबिया, नाइजीरिया, सोमालिया, सूडान जैसे देशों से लोगों को उनकी पृष्ठभूमि की ठीक तरह से जांच-पड़ताल किए बगैर ले लिया। भारत से भी बहुत लोग ब्रिटेन गए, लेकिन वे कुशल श्रमबल का हिस्सा थे, जो उसके सामाजिक जीवन में रच-बस गए। जबकि पाकिस्तान जैसे देशों से बड़ी संख्या में ऐसे लोग ब्रिटेन जा पहुंचे, जिनकी शैक्षणिक योग्यता बहुत कम थी और हुनर की भी कमी थी। उन्होंने ब्रिटिश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जमकर फायदा उठाया, लेकिन उस समाज में घुले-मिले नहीं, बल्कि समय-समय पर अपने लिए विशेष अधिकारों की मांग करते रहे। सरकारें उनके लिए सुविधाएं बढ़ाती रहीं, उनकी मांगें पूरी करती रहीं, बस यह देखना भूल गईं कि जिन लोगों को सहायता दी जा रही है, वे स्थानीय परिवेश का हिस्सा बन रहे हैं या नहीं! कई अंग्रेजों ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा किए, जिनका निष्कर्ष यह है कि उनके मन में अपनी सरकारों के प्रति आक्रोश है, क्योंकि उनके हितों की अनदेखी की गई। एक अंग्रेज, जो खानपान से संबंधित चीजों का व्यवसाय करता है, ने बताया कि पाक मूल के एक व्यक्ति ने उसके यहां नौकरी के लिए आवेदन किया था। शुरुआत में उसने मेहनत व ईमानदारी के बड़े-बड़े वादे किए। बाद में, वह निजी आस्था संबंधी कारण बताकर कार्यस्थल से कई-कई घंटे गायब रहने लगा। वह ग्राहकों को चीजें परोसने से साफ इन्कार कर देता था। उसने कुछ सहकर्मियों को धर्मांतरण के लिए उकसाया। वह लोगों के पहनावे पर अनावश्यक टीका-टिप्पणी करता था। उसके इस रवैए से तंग आकर उसे नौकरी से निकाल दिया। बाद में पता चला कि उसने एक व्यक्ति के साथ वित्तीय धोखाधड़ी भी की थी। आज ब्रिटेन में कई लोग 'रूल ब्रिटानिया', 'इंग्लैंड टिल आई डाई' और 'वी वांट आवर कंट्री बैक' जैसे नारे लगा रहे हैं तथा सड़कों पर 'नाजी सैल्यूट' कर रहे हैं तो प्रधानमंत्री स्टार्मर को पता लगाना होगा कि इसकी जड़ में क्या है, क्योंकि कुछ दशक पहले ब्रिटेन में ऐसे दृश्यों की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

ट्वीटर टॉक

हमारी संस्कृति को धागों के माध्यम से सहेजने वाले बुनकर भाई-बहनों को 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' की अनंत शुभकामनाएं। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हथकरघा की कला संरक्षित हो रही है। हथकरघा उद्योग हमारी परंपरा रही है और हमारी पहचान भी है।

-दीया कुमारी

मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने संविधान को जितनी इज्जत देकर आगे बढ़ना तय किया है, उतना किसी सरकार ने नहीं किया है। संविधान की प्रस्तावना के साथ छेड़छाड़ का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि मोदी सरकार उसके प्रति प्रतिबद्ध है।

-जेपी नड्डा

विनेश फोगाट, हम सभी को आप पर गर्व हैं और हमेशा रहेगा। आप देश के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। कभीकभी किस्मत हमारे साथ नहीं होती, मगर आपकी मेहनत और जज्बे में कोई कमी नहीं थी। हम सभी को पूर्ण विश्वास हैं कि आप फिर वापसी करेंगी, पूरा भारत आपके साथ है।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

अनूठी मेधा

सन 1912 की बात है जब रवींद्रनाथ टैगोर इंग्लैंड की यात्रा 'गीतांजलि' का अंग्रेजी अनुवाद अपने साथ ले गए थे। लंदन में एक ट्रेन यात्रा के दौरान वे अपना सूटकेस ट्रेन में ही भूल गए, जिसमें गीतांजलि की पांडुलिपि थी। यह पांडुलिपि उनके जीवनभर के कार्य का सार थी। इसे खोना उनके लिए बहुत बड़ा झटका था। उन्होंने तुरंत रेलवे अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन सूटकेस का कोई पता नहीं चला। निराश होकर टैगोर ने फिर से शुरुआत से पूरी पुस्तक लिखने का फैसला किया। उन्होंने अपनी स्मृति से कविताओं को याद करके उन्हें फिर से लिखना शुरू किया। यह एक अत्यंत कठिन कार्य था, लेकिन टैगोर ने हार नहीं मानी। कुछ दिनों बाद चमत्कार हुआ। उनका खोया हुआ सूटकेस मिल गया। लेकिन तब तक टैगोर ने पुस्तक का एक नया संस्करण तैयार कर लिया था, जो उनके अनुसार पहले से भी बेहतर था। यही गीतांजलि थी, जिसने टैगोर को 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिलाया। वे यह सम्मान पाने वाले पहले गैर-यूरोपीय व्यक्ति थे।

सामयिक

पडोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिन्ता

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा?

इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है।

हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है।

वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं।

नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है। वह भारत के भूखंडों पर अपनी मिल्कियत जताता रहता है। भूटान में घरेलू राजनीति स्थिर है, लेकिन वह चीन के साथ सीमा-समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहता है, और यह भारत के लिए चिंता का बड़ा कारण है।

भारतीय उपमहाद्वीप के मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भुटान और श्रीलंका के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को दुनिया चुपचाप सब देख रही है, वहीं भारत इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है, क्योंकि बांग्लादेश की घटनाओं का उस पर सीधा असर होगा। भारत शांति कायम रखने एवं पडोसी देशों से मित्रता कायम रखने के अपने संकल्पों एवं रणनीतियों के लिए इन देशों पर भरोसा नहीं कर सकता। हमारे इर्द-गिर्द मची उथलपुथल, अस्थिरता एवं अराजकता हमारे वैश्विक एजेंडे को भी बाधित करती है। भारत की आबादी 1.4 अरब है। उसके सभी पड़ोसियों की कुल आबादी 50 करोड़ है। अर्थव्यवस्था के साथ भी ऐसा ही है। भारत की जीडीपी तीन ट्रिलियन डॉलर है। बाकी सब मिलाकर लगभग एक ट्रिलियन हैं। भारत समर्थ है, शक्ति सम्पन्न है, दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, इसलिये उसे अधिक बलों की तैनाती, अधिक रक्षा खर्च और सीमाओं पर अधिक बुनियादी ढांचों का निर्माण करना होगा। क्योंकि भारत के सभी पडोसी देशों पर चीन का दबदबा है और उसके दबाव में भारत के लिये कभी भी संकट बन सकते हैं।

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता, विवेक एवं समझदारी सराहनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पडोसी देशों में उत्पन्न हालातों पर समझ एवं संयम से कदम उठाती रही है। बांग्लादेश की तख्तापलट घटनाओं पर भी उसने पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई, विपक्षी दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका के साथ अपनी बात रखी।

ऐसे ज्वलंत मुद्दों पर सर्वसम्मति बनना जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण है। ऐसा अनुकरणीय उदाहरण पडोसी देशों में न मिलना ही उनकी अस्थिरता एवं अराजकता का बड़ा कारण है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में ऐसी स्थिति कतई नहीं बननी चाहिए कि जहां राजनीतिक दलों के बीच दूरियां इस कदर बढ़ जायें कि फौज का दखल देना पड़े या पडोसी देश अपनी स्वार्थों की रोटियां सेंकने में सफल हो जाये। भारत के पडोसी देशों के लोग केवल बुराइयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्यथा जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी।

इन पडोसी देशों के नेता दो तरह के हैं- एक वे जो कुछ करना चाहते हैं, दूसरे वे जो कुछ होना चाहते हैं। असली नेता को सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर, प्रासंगिक और अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनानी होती है। संयुक्त रूप से कार्य करें तो सभी पडोसी देश मिलकर विश्व में एक बड़ी ताकत बन सकते हैं। लेकिन उन्होंने सहचिन्तन को शायद कमजोरी मान रखा है। नेतृत्व के नीचे शून्य तो सदैव खतरनाक होता ही है पर यहां तो ऊपर-नीचे शून्य ही शून्य है। इन पडोसी देशों के स्तर पर तेजस्वी और खरे नेतृत्व का नितान्त अभाव है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह-अस्तित्व के रंग भरने की अपेक्षा है। भारत इस स्थिति में है, उसे मनोबल के साथ पडोसी देशों में स्थिरता, शांति, लोकतंत्र एवं आपसी समझ की ज्योत जलाने के लिये तत्पर रहना चाहिए, जो उन देशों के साथ भारत के लिये भी जरूरी है।

नजरिया

भूख, बर्बादी और हिंसा से तड़पेगा बांग्लादेश

आचार्य विष्णु श्रीहरि
मोबाइल : 9315206123

दिल्ली में मुझसे बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के हस्र पर पत्रकारों और बुद्धिजीवियों ने प्रश्न किया। मैंने इसका उत्तर बहुत ही नाखुश करने के तरीके से दिया। मैंने उनसे ही प्रश्न किया कि शेख हसीना का हस्र? शेख हसीना का हस्र कैसा? हस्र तो बांग्लादेश की शांति की हुई है, हस्र तो बांग्लादेश के विकास का हुआ है, हस्र तो बांग्लादेश के कपड़ा मार्केट का हुआ है, हस्र तो बांग्लादेश के लोकतंत्र का हुआ है, हस्र तो अमेरिका और ब्रिटेन के वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ अभियान का हुआ है, हस्र तो संयुक्त राष्ट्र संघ के लोकतांत्रिक पद्धति का हुआ है, हस्र तो बांग्लादेश की भूखमरी के शिकार और कुपोषित लोगों का हुआ है, हस्र तो शिक्षा व्यवस्था का हुआ है, हस्र तो महिला स्वतंत्रता और विकास का हुआ है, हस्र तो आपदा प्रबंधन का हुआ है। यह कोई क्रांति नहीं है जिसका भ्रम मुस्लिम अतिवादी और मुस्लिम दुनिया के लोग फैला रहे हैं। यह सिर्फ और सिर्फ जिहादी इस्लाम की स्थापना की हिंसा है जो जमाते इस्लामी की करतूत है।

वैश्विक दुनिया अब एक और विफल देश का सामना करेगी, अपने संसाधनों का दुरूपयोग बांग्लादेश जैसे विफल राष्टों के लोगो को जीवन रक्षक समस्याओं पर करेंगे। अभी हिंसक, भक्षक बन कर लोकतंत्र का गला घोटने वाले लोग कल दुनिया के सामने गरीबी और भूखमरी से बचाने की भीख मांगेगे और मानवता के प्रति कर्तव्य निर्वाह्न का सीख देंगे। यानी आज का हिंसक और भक्षक बांग्लादेश का नागरिक कल अपने आप को प्रभावित होने का पात्र घोषित कर देंगे, ऐसा ही चरित्र दुनिया के मजहबी मुस्लिम आबादी का है। दुनिया पहले से ही अफगानिस्तान, पाकिस्तान, सूडान, सोमालिया, जैसे विफल देशों का सामना कर रही थी और अब बांग्लादेश के रूप मे एक नयी समस्या खड़ी हो गयी है। भारत के सामने आबादी आक्रमण के तौर पर बहुत बडा खतरा उत्पन्न हुआ है, लाखों मुस्लिम आबादी भारत में घुसपैठ करेंगे और भारतीय नागरिक बन कर भारत का लोकतंत्र समाप्त कर देंगे। भारत कितना सावधान रहेगा, यह कहना मुश्किल है। फिलहाल चीन और पाकिस्तान की नीतियों का डंका बज ही गया, उनके मंसूबे पूरे हो गये । अब चीन भारत को और भी आक्रामक ढंग से घेराबंदी करेगा, अपने जासूसी जहाजो से भारत की सामरिक परिस्थितियों की जासूसी करायेगा।

अगर भारत पूरी तरह से सावधानी बरते, आत्मघाती मानवता नहीं दिखाये, अपनी तिजोरी बंद रखें तो फिर बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति क्या होगी? बांग्लादेश के लोगों के घरों का चुल्हा कैसे जलेगा, बांग्लादेश के भूख से तडपते हुए लोगों को रोटी कहां से मिलेगी? हर साल आने वाली बाढ और अन्य आपदाओं से लडने के लिए पैसे कहां से आयेंगे? विश्वविद्यालयों और स्कूलों को पैसा कहां से आयेगा? विदेशी आय का एक मात्र साधन कपडा मार्केट अपनी शान कैसे स्थिर रख सकता है? गृहयुद्ध को शांत रखने के लिए अतिरिक्त धन कहां से आयेगा?

क्या चीन और पाकिस्तान पैसा देगा, भूखमरी को थामेथा, विकास करायेगा और शांति स्थापित करायेगा? पाकिस्तान तो खुद भूखहर है, उसने खूद आतंकवाद के चक्कर में अपना लूटिया डूबा चुका है, दुनिया में कठोरा लेकर भीख मांग रहा है, उसे भीख नहीं मिल रही है, उसे सिर्फ और सिर्फ अपमान व शर्मिंदगी मिल रही है। चीन चन्ने के झांड पर चढा देता है, गुलाम बना लेता है, मोहरा बना लेता है, अपने दुश्मन देश से लडा देता है और फिर अपना हित साध लेता है, आर्थिक मदद करने के समय कन्नी काट लेता है, आखें मुंद लेता है, अपनी तिजोरी बंद कर देता है और संदेश दे देता है कि खुद के भाग्य-भरोसे लडों और अपना समाधान करो। श्रीलंका इसका उदाहरण है। श्रीलंका सिर्फ उदाहरण ही नहीं बल्कि भुक्तभोगी भी है और चीन का असली चेहरा भी देखा है। श्रीलंका ने भी भारत को आंख दिखाने की कोशिश की थी और भारत को बेमतलब चुनौती देने तथा सबक सिखाने की कूटनीति अपनायी थी। इस अहंकार में श्रीलंका ने चीन की गोद में बैठना स्वीकार कर लिया था और श्रीलंका की खुशफहमी हो गयी थी कि चीन उसकी अर्थव्यवस्था को संकट को दूर कर देगा, हमें भारत की तरह खूब पैसा देगा और हम चीनी पैसों पर जमकर मौज मस्ती करेंगे। चीन ने भी पासा फेंका जमकर कर्ज दिया और अपने कर्ज के जाल में फंसा दिया। चीन ने श्रीलंका के सामरिक स्थलों और मुख्य व्यापारिक जगहों पर कब्जा कर लिया। दुष्परिणाम बहुत ही भयानक हुआ, श्रीलंका दिवालिया हो गया। श्रीलंका के दिवालिया होते हुए चीन देख अपने ऊपर गर्व कर रहा था पर वह श्रीलंका को दिवालिया की स्थिति से बाहर निकालने के लिए आगे नहीं आया। भारत ने ही श्रीलंका को फिर आर्थिक मदद देकर और मानवीय सहायता देकर दिवालिया की स्थिति से बाहर निकाला। भारत ने अगर मानवीय सहायता नहीं की होती और आर्थिक मदद नहीं दी होती तो आज श्रीलंका के लोग भूखों मरने की स्थिति में होते और श्रीलंका का भविष्य अंधकारमय हो जाता।

यह कोई अचानक नहीं हुआ है। यह आरक्षण से निकली हुई आग नहीं है। चीन और पाकिस्तान ने बहुत ही चालाकी से अपनी नीतियां आगे बढायी थी। चीन की खुन्नश थी कि बांग्लादेश ने चीनी कर्ज लेने से इनकार कर दिया था और चीन के एक मंत्री ने बयान दिया था कि चीन के कर्ज के जाल में जो देश फंसा वह बर्बाद हो गया। इसलिए बांग्लादेश को चीनी कर्ज और मदद नहीं चाहिए। भारत को दबाने और घेरने के लिए शेख हसीना सरकार का पतन जरूरी था। इसके लिए आरक्षण की समस्या तो एक अवसर था।

जमाते इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी मोहरा बनी थी। जमाते इस्लामी पर शेख हसीना के पिता बंग बंधु शेख मिजुबर्रहमान की हत्या का आरोप है, बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन में जमाते इस्लामी ने पाकिस्तान का साथ दिया था। शेख हसीना ने अपनी सरकार के दौरान जमाते इस्लामी के दर्जनों नेताओं को फांसी पर लटकवायी थी। फांसी लटकने वाले जमाते इस्लामी के नेताओं ने पाकिस्तान का साथ देकर अपने लोगों पर हिंसा बरपायी थी और महिलाओं के साथ बलात्कार किये थे। इस कारण जमाते इस्लामी पहले से ही शेख हसीना से मुक्ति चाहती थी। बीएनपी के नेता खालिदा जिया सहित उनके हजारों समर्थक जेल में बंद थे। खालिदा जिया अपने शासन के दौरान पाकिस्तान का मोहरा थी और बांग्लादेश को जिहादी इस्लाम में बदलने की कोई कसर नहीं छोड़ी थी।

छात्र आंदोलनकारी स्वतंत्र विचारधारा के भी नहीं थे। उनकी विचारधारा जमाते इस्लामी ही थी। छात्र शिविर संगठन ने जो आंदोलन का नेतृत्व किया वह किसी रूप में स्वतंत्र नहीं है। छात्र शिविर संगठन जमाते इस्लामी का ही छात्र संगठन है। जमाते इस्लामी की विचारधारा क्या है? उसकी विचारधारा इस्लाम है, तालिबान की संस्कृति है, आईएस की संस्कृति है, जिहाद है, काफिर की मानिसकता है। अभी भी बांग्लादेश संवैधानिक स्तर पर इस्लामिक देश है पर जमाते इस्लामी को वर्तमान संवैधानिक स्थिति स्वीकार नहीं है। जमाते इस्लामी चाहती है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश मे इस्लामिक राज व्यवस्था कायम हो और बांग्लादेश इस्लाम का सशक्त प्रवक्ता बनें।

बांग्लादेश के हिन्दुओं का क्या होगा? क्या बांग्लादेश के हिन्दुओं का कत्लेआम होगा, उन्हें इस्लाम स्वीकार करना ही पडेगा? भारत बांग्लादेश के हिन्दुओं को बचा नहीं सकता है। हिन्दुओं को बचाने के लिए भारत को बांग्लादेश में सैनिक हस्तक्षेप करना होगा, जो संभव नहीं है। हिन्दुओं को जमाते इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के लोग जिंदा छोडेंगे नहीं। सैंकडों मंदिरों को आग में झोंक कर स्वाहा कर दिया गया है, दर्जनों हिन्दुओं की हत्या हो चुकी है। संयुक्त राष्टसंघ ने हिन्दुओं की हत्याओं और हिन्दुओं के मंदिरों को जलाने पर कोई आवाज नहीं प्रकट की है, उनकी खामोशी यह बताती है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ सिर्फ आतंकवादियों और मुस्लिम देशों तथा हिंसकों का गुलाम भर है। भारत सरकार की भूमिका क्या होनी चाहिए? भारत सरकार अपनी तिजोरी बंद रखें और अपनी सीमा सुरक्षित रखें, बांग्लादेश से होने वाले आबादी आक्रमन को रोके। फिर बांग्लादेश की स्थिति अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से भी बदतर हो सकती है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'एक्स' ने रजत शर्मा से जुड़ी अपमानजनक सामग्री को वैश्विक स्तर पर हटाने का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' कॉर्प ने दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा है कि पत्रकार रजत शर्मा द्वारा अपमानजनक माने जाने वाले पोस्ट को सभी देशों से हटाने का निर्देश अंतरराष्ट्रीय कानून और राष्ट्रों के बीच सद्भावना के सिद्धांतों के विपरीत होगा तथा अन्य सभी देशों की संप्रभुता का उल्लंघन होगा। 'एक्स' ने शर्मा द्वारा दायर अवमानना याचिका पर उच्च न्यायालय में हलफनामा दाखिल किया है। 'एक्स' ने कहा कि यह दलील कि अदालत यह तय कर सकती है कि अन्य सभी देशों के लोग कौन सी सूचना देख सकते हैं, इसका अर्थ यह होगा कि पाकिस्तान और चीन की अदालतें, पाकिस्तान या चीन के कानूनों के आधार पर यह निर्देश दे सकती हैं कि भारत के नागरिक इंटरनेट पर क्या देख सकते हैं और क्या नहीं।

हलफनामे में कहा गया, ''विदेशी अदालत द्वारा दिया गया ऐसा आदेश भारतीय नागरिकों के अधिकारों में हस्तक्षेप करेगा, जिन पर उस विदेशी अदालत का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। इस प्रकार, याचिकाकर्ता की दलील से अस्वीकार्य परिणाम सामने आएंगे।''

'एक्स' ने कहा, ''इस अदालत को यह मानना चाहिए कि प्रतिवादी संख्या-एक (एक्स) ने भारत में यूआरएल को जियो-ब्लॉक करके रोक के आदेश का अनुपालन किया है।'' सोशल मीडिया कंपनी ने यह भी कहा कि 'एक्स' भारत के अपने अधिकार क्षेत्र में उसके कानूनों को लागू करने के अधिकार का पूरी तरह से सम्मान करता है।

'एक्स' ने कहा कि भारत में पोस्ट को प्रतिबंधित करने के विपरीत, सभी देशों में पोस्ट को हटाने का निर्देश देना, अंतरराष्ट्रीय कानून और राष्ट्रों के बीच सद्भावना के सिद्धांतों के विपरीत होगा। शुरुआत में, शर्मा ने मानहानि का मुकदमा दायर किया और सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट और वीडियो को हटाने तथा कांग्रेस नेताओं जयराम रमेश, पवन खेड़ा और रागिनी नायक को उनके खिलाफ आरोप लगाने से रोकने की मांग की।

पत्रकार ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव परिणाम वाले दिन उनके शो के दौरान ''अभद्र भाषा'' के इस्तेमाल पर कांग्रेस नेताओं द्वारा उनकी मानहानि की गई। बाद में, शर्मा ने अवमानना याचिका दायर कर दावा किया कि कांग्रेस नेताओं और 'एक्स' ने जानबूझकर न्यायिक आदेश का पालन नहीं किया, जिसमें उन्हें उनके खिलाफ कथित आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट हटाने का निर्देश दिया गया था। अवमानना याचिका पर अपने जवाब में 'एक्स' ने कहा कि यूआरएल को 'हटाने' या 'ब्लॉक' करने के निर्देश के लिए वैश्विक स्तर पर पोस्ट को हटाने या उन्हें दुनिया में हर इंसान के लिए पहुंच से दूर बनाने की आवश्यकता नहीं है। याचिका को 22 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। यह विवाद तब पैदा हुआ जब नायक ने चार जून को टेलीविजन पर शो में एक बहस के दौरान शर्मा पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया।

लंच

मुंबई में बुधवार को अभिनेता प्रज्ञा जायसवाल, आदित्य सील, एमी विर्क, वाणी कपूर, अक्षय कुमार और फरदीन खान बजुहू स्थित महाराजा भोग में लंच करते हुए देखे गए।

'कंफर्टर' स्ट्रगल को रकुल प्रीत सिंह ने किया बयां

मुंबई/एजेन्सी

तेलुगु, तमिल और बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। इस कड़ी में एक्ट्रेस ने होटल के कमरे में 'कंफर्टर' के साथ अपने स्ट्रगल को मजेदार तरीके से बयां किया। रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक मीम शेयर किया, इसमें एक महिला होटल के कमरे में बिस्तर से रजाई निकालने के लिए स्ट्रगल करती हुई दिखाई दे रही हैं। इस मजेदार मीम के साथ लिखा था, जब आप होटल में सोने के लिए जाओ, लेकिन इससे पहले आपको वहां रखे कंफर्टर को बाहर निकालने के लिए स्ट्रगल करना पड़ता है। रकुल ने इस मीम पर कैप्शन दिया, क्या कोई ऐसा स्ट्रगल

करता है, मैं करती हूं। वर्कफ्रंट पर बात करें तो उनके पास 'मेरी पत्नी का रीमेक', 'दे दे प्यार दे 2' और 'इंडियन 2' पाइपलाइन में हैं। एक्ट्रेस के करियर पर नजर डालें तो, उन्होंने साल 2009 में फिल्म 'गिल्ली' से कन्नड़ इंडस्ट्री में पहली बार कदम रखा और दिव्या खोसला कुमार की 'यारियां' में सलोनी का रोल निभाकर बॉलीवुड में डेब्यू किया। वह हॉरर थ्रिलर फिल्म 'बू' में भी नजर आईं। इस फिल्म को एएल विजय ने लिखा और निर्देशित किया। फिल्म में विश्वक सेन, निवेथा पेथुराज, मंजिमा मोहन, मेघा आकाश और रेबा मोनिका जॉन लीड रोल में हैं।

इसके अलावा, वह 'थैंक गॉड', 'डॉक्टर जी', 'कठपुतली', 'रनवे 34', 'दे दे प्यार दे', 'छतरीवाली' और 'सरदार का ग्रैंडसन' जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। पर्सनल लाइफ के बारे में बात करें, तो रकुल ने 21 फरवरी को गोवा में एक्टर व फिल्म मेकर जैकी भगनानी से शादी की।

'द राजा साब' में प्रभास के साथ काम करेंगी मालविका मोहनन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मालविका मोहनन फिल्म द राजा साब में सुपरस्टार प्रभास के साथ काम करती नजर आयेंगी। अपनी आगामी फिल्म थंगालन के प्रचार के दौरान, मालविका ने उल्लेख किया कि द राजा साब ने उन्हें अपनी कलात्मक क्षमता का पता लगाने और अपने कौशल को पूरी तरह से प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया। उन्होंने प्रभास के साथ काम करने के अवसर के लिए अपना आभार व्यक्त किया।

फिल्म द राजा साब को मारुति द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया है। मालविका ने कहा,प्रभास सर के साथ एक फिल्म में ऐसा किरदार मिलना... मैं एक शानदार किरदार के लिए बहुत आभारी हूं। यह 'थंगालान' से बहुत अलग है, बिल्कुल विपरीत। मैं बहुत उत्साहित हूं कि आप मेरा वह रूप देखें।

मारुति सर बहुत अच्छी महिला किरदार लिखते हैं।हम सभी जानते हैं कि तेलुगु फिल्म उद्योग अभी सबसे बड़ा है, और यह बॉलीवुड से आगे निकल गया है। यह एक अलग स्तर पर है, और मैं इस उद्योग में धमाकेदार तरीके से प्रवेश करना चाहती थी। मुझे बहुत सी बड़ी हीरो वाली फ़िल्में मिल रही थीं, जहां आप एक प्रेमी की भूमिका निभाते हैं, कुछ दृश्यों में दिखाई देते हैं और चले जाते हैं। लेकिन मैं ऐसी फ़िल्में चाहती थी जो मुझे एक कलाकार के रूप में खुद को साबित करने का मौका दे। और मुझे वह मौका तभी मिलेगा जब मैं किसी ऐसे निर्देशक के साथ काम करूं जो मुझसे यह सब करवा सके।

पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित, द राजा साब में निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार, वरलक्ष्मी सरथकुमार, जीशु सेनगुप्ता, ब्रह्मानंदम, योगी बाबू और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत प्रशंसित एसएस थमन द्वारा तैयार किया जा रहा है। द राजा साब 10 अप्रैल, 2025 को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

मोहम्मद यूनुसः गरीबी उन्मूलन के लिए नोबेल पुरस्कार पाने से हसीना सरकार से तल्ख रिश्ते तक का सफर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका। शेख हसीना के शासनकाल के दौरान गबन के आरोप में उत्पीड़न का सामना करने वाले नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस का जीवन पूरी तरह से बदल गया है। हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर जाने के बाद अब यूनुस बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मंगलवार को संसद भंग करके 84 वर्षीय अर्थशास्त्री यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त कर दिया। उन्होंने भेदभाव-विरोधी आंदोलन में शामिल छात्रों की मांग मानते हुए यह निर्णय लिया।

हसीना के देश छोड़कर जाने की खबर फैलते ही सैकड़ों लोगों ने उनके आवास में घुसकर तोड़फोड़ और लूटपाट की। देश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में पिछले 15 दिन में 300 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

बांग्लादेश की सेना ने अस्थायी रूप से देश का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि देश के राष्ट्रपति द्वारा मंगलवार को संसद को भंग करने के बाद अंतरिम सरकार में उसकी क्या भूमिका होगी। इस अनिश्चितता के बीच, मोहम्मद यूनुस का सामने आया जो नए सिरे से चुनावों की घोषणा होने तक बांग्लादेश की बागडोर संभाल सकते हैं। यूनूस नोबेल पुरस्कार विजेता हैं, जिन्हें ''सबसे गरीब लोगों का बैंकर'' भी कहा जाता है। इसे लेकर उन्हें आलोचना का सामना भी करना पड़ा था और एक बार हसीना ने यूनुस को ''खून चूसने वाला'' कहा था। यूनुस (83) हसीना के कटु आलोचक और विरोधी माने जाते हैं। उन्होंने हसीना के इस्तीफे को देश का ''दूसरा मुक्ति दिवस'' बताया है। पेशे से अर्थशास्त्री और बैंकर यूनुस को गरीब लोगों, विशेष रूप से महिलाओं की मदद के लिए माइक्रोक्रेडिट के उपयोग में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

यूनुस ने 1983 में ग्रामीण बैंक की स्थापना की ताकि उन उद्यमियों को छोटे ऋण उपलब्ध कराए जा सकें जो सामान्यतः उन्हें प्राप्त करने के योग्य नहीं होते। लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में बैंक की सफलता ने अन्य देशों में भी इसी तरह के लघु वित्त पोषण के प्रयासों को बढ़ावा दिया। यूनुस को 2008 में हसीना सरकार की कार्रवाई का सामना करना पड़ा जब उनके प्रशासन ने यूनुस के खिलाफ कई जांच शुरू कीं।

आत्मविश्वास को बढ़ाता है एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाना : कृतिका कामरा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कृतिका कामरा अपनी आगामी मिस्ट्री क्राइम ड्रामा सीरीज ग्यारह ग्यारह में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि अपने पिछले प्रोजेक्ट में एक पीड़ित और एक गैंगस्टर की भूमिका निभाने के बाद यह भूमिका निभाना उनके आत्मविश्वास को बढ़ाता है। कृतिका ने कहा, मैं 'ग्यारह ग्यारह' का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। खासकर 'बंबई मेरी जान' में काम करने के बाद यह आश्चर्यजनक है और साथ ही एक ईमानदार पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाना आश्वस्त करने वाला है, खासकर 'हश हश' में एक पीड़ित और 'बंबई मेरी जान' में एक गैंगस्टर की भूमिका निभाने के बाद। उन्होंने कहा कि इन सभी क्राइम ड्रामा प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक अनूठा दृष्टिकोण और चुनौती दी है।

उन्होंने कहा कि ग्यारह ग्यारह' विशेष रूप से आकर्षक है क्योंकि यह तीन दशकों तक फैली हुई है, जो एक ऐसी कहानी बुनती है जो रहस्यमय और मनोरम दोनों है। उमेश बिष्ट के निर्देशन में काम करना एक समृद्ध अनुभव रहा है। मुझे विश्वास है कि यह सीरीज अपनी मनोरंजक कहानी और अप्रत्याशित मोड़ के साथ दर्शकों को अपनी

सीटों से बांधे रखेगी। 'पगलैट' फेम उमेश बिष्ट द्वारा निर्देशित और गुनीत मोंगा कपूर और करण जौहर द्वारा निर्मित, यह सीरीज 9 अगस्त को प्रीमियर के लिए तैयार है।

इस शो में राघव जुयाल और धैर्य करवा भी हैं। फिल्म की कहानी में एक रहस्यमय वॉकी-टॉकी है जो 1990 से 2016 तक की समय सीमा में पुलिस अधिकारियों को जोड़ती है, यह वॉकी-टॉकी प्रत्येक दिन रात्रि 11:11 बजे बजने लगता है।

कृतिका की बात करें तो अभिनेत्री ने शोबिज में अपनी यात्रा कितनी मोहब्बत है से शुरू की, इसके बाद उन्हें कुछ तो लोग कहेंगे, रिपोर्टर्स, प्रेम या पहेली-चंद्रकांता और झलक दिखला जा जैसे शो में देखा गया। उन्होंने मित्रों से बॉलीवुड में शुरुआत की। ओटीटी पर, कृतिका को 'तांडव', 'कौन बनेगी शिखरवती' और 'बंबई मेरी जान' जैसे शो में देखा गया।

सलमान खान ने जारी किया 'ओल्ड मनी' का टीजर

मुंबई/एजेन्सी

सलमान खान ने मंगलवार की सुबह अपने प्रशंसकों को गायक एपी ढिल्लों के साथ अपने आगामी सहयोग का एक टीज़र दिखाया। सुपरस्टार द्वारा साझा की गई पोस्ट के अनुसार, इस गाने का शीर्षक 'ओल्ड मनी' है और इसे 9 अगस्त को रिलीज़ किया जाएगा। सलमान ने कैप्शन में लिखा, ''ओल्ड मनी 9 अगस्त को रिलीज़ होगी।'' गाने के टीज़र में एपी ढिल्लों और उनके दोस्त हाथ में बंदूक लेकर बाहर निकलते हैं और बाहर निकलते समय वे सलमान खान को कार के हुड के नीचे कुछ करते हुए देखते हैं। टीजर में सलमान एपी और उसके दोस्त से पूछते हैं कि वे कहां जा रहे हैं। जवाब में एपी कहता है कि वे आधे घंटे में वापस आ जाएंगे। सख्त अंदाज में सलमान कहते हैं कि मामले को खुद ही संभाल लें और सुनिश्चित करें कि उन्हें दोबारा उन्हें फोन करने की जरूरत न पड़े।

अभिनेता को आखिरी बार टाइगर 3 में कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी के साथ देखा गया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर

बड़ी सफलता हासिल की और 2023 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो गई। इस साल की शुरुआत में उन्होंने अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट सिकन्दर की घोषणा की, जिसमें वे मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्माण उनके दोस्त और निर्माता साजिद नाडियावाला ने किया है और प्रतिष्ठित एआर मुरुगादॉस ने इसका निर्देशन किया है। यह फिल्म अगले साल ईद पर बड़े पर्दे पर आने वाली है। सलमान नियमित रूप से फिल्म के सेट से अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर करते रहे हैं। काम के अलावा, इस साल सलमान खान तब भी सुर्खियों में रहे जब उनके घर के बाहर दो लोगों ने कई राउंड गोलियां चलाईं।

स्वागत

नई दिल्ली में बुधवार को पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर के आईजीआई एयरपोर्ट पर पहुंचते ही अपने कांस्य पदक के साथ पोज देती हुई।

बांग्लादेश का पुनर्निर्माण 'क्रोध' या 'बदले' से नहीं, 'प्रेम और शांति' से होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। नजरबंदी से रिहा किए जाने के एक दिन बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया ने ''असंभव को संभव बनाने के संघर्ष'' के लिए बुधवार को देशवासियों को धन्यवाद दिया और कहा कि देश का पुनर्निर्माण ''क्रोध'' या ''बदले'' से नहीं, बल्कि ''प्यार और शांति'' से होगा।

नयापल्टन में बीएनपी की रैली में वीडियो लिंक के माध्यम से दिए गए अपने भाषण में 79 वर्षीय जिया ने शांति की अपील की। यह 2018 के बाद जिया का पहला सार्वजनिक भाषण है।

'डेली स्टार' समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, जिया ने उन लोगों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उनके लिए संघर्ष किया तथा कारावास से उनकी रिहाई के लिए प्रार्थना की।

जिया ने कहा, ''मुझे अब रिहा कर दिया गया है। मैं उन बहादुर लोगों को धन्यवाद देना चाहती हूं, जिन्होंने असंभव को संभव बनाने के लिए 'करो या मरो' का संघर्ष किया। यह जीत हमें लूट, भ्रष्टाचार और कुशासन के मलबे से बाहर निकलने की नई संभावना देती है। हमें इस देश को समृद्ध बनाने की जरूरत है।''

पूर्व प्रधानमंत्री ने युवाओं के हाथ मजबूत करने का सभी से आग्रह करते हुए कहा, ''युवा हमारा भविष्य हैं। हमें उनके उस सपने को पूरा करने के लिए एक लोकतांत्रिक बांग्लादेश का निर्माण करने की आवश्यकता है, जिसके लिए उन्होंने अपना खून बहाया है... कोई विनाश नहीं, कोई गुस्सा नहीं और कोई बदला नहीं, हमें अपने देश के पुनर्निर्माण के लिए प्यार और शांति की आवश्यकता है।''

जिया को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में 2018 में भ्रष्टाचार के लिए 17 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। अपनी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच हसीना (76) ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और भारत चली गईं।

जिया वर्तमान में विभिन्न बीमारियों का इलाज करा रही हैं। जिया को हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के अपदस्थ होने के बाद मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के कार्यकारी आदेश पर रिहा कर दिया गया।

जिया दो साल से ज्यादा समय से जेल में बंद थीं। हसीना के नेतृत्व वाली सरकार ने 25 मार्च, 2020 को एक कार्यकारी आदेश के जरिए जिया की सजा को निलंबित कर दिया और उन्हें सशर्त रिहाई दी। इसके बाद, सरकार ने आवेदन पर हर छह महीने में उनकी सजा के निलंबन और रिहाई की अवधि को बढ़ाया।

खालिदा जिया को नवीनीकृत पासपोर्ट मिला

ढाका/भाषा। शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद जेल से रिहा बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को नवीनीकृत पासपोर्ट मिल गया है। जिया की पार्टी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

जिया (79) को तत्कालीन प्रधानमंत्री हसीना के कार्यकाल में 2018 में भ्रष्टाचार के लिए 17 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। अपनी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच हसीना (76) ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और भारत चली गईं।

'ढाका ट्रिब्यून' अखबार ने बीएनपी मीडिया प्रकोष्ठ के सदस्य शैरुल कबीर खान के हवाले से बताया कि जिया को नवीनीकृत पासपोर्ट मिल गया है।

एनटीआर जूनियर के साथ काम करना चाहती है कीर्ति सुरेश

मुंबई/एजेन्सी

जानीमानी अभिनेत्री कीर्ति सुरेश मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर के साथ काम करना चाहती है। एनटीआर जूनियर को मैन ऑफ मासेस के नाम से जाना जाता है, उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और बेहतरीन अभिनय के लिए वैश्विक पहचान और प्रशंसा प्राप्त की है। उनके प्रभावशाली अभिनय कौशल और विनम्र व्यक्तित्व ने उन्हें अपने साथी अभिनेताओं सहित कई लोगों के बीच पसंदीदा बना दिया है। जहां प्रशंसकों ने हमेशा उनके लिए अपने प्यार का इजहार किया है, वहीं कई मशहूर हस्तियों ने भी एनटीआर जूनियर के लिए अपनी प्रशंसा साझा की है और अक्सर उनके साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की है। इस सूची में नवीनतम नाम अभिनेत्री कीर्ति सुरेश का जुड़ गया है। कीर्ति सुरेश ने मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर के बारे में बात की। जब उनसे उनके बारे में पूछा गया, तो उन्होंने पहली बार उनसे मिलने की याद ताजा की। उन्होंने कहा, मैंने एनटीआर जूनियर गारू को पहली बार महानति ऑडियो लॉन्च पर देखा था। मुझे लगा कि हम साथ में फिल्म पर काम करने के लिए एक बेहतरीन जोड़ी बनेंगे। वह बहुत प्यारे, मज़ेदार और ऊर्जावान हैं।उन्होंने उनके साथ एक और याद भी साझा की। उन्होंने उस समय के बारे में बात की जब एनटीआर जूनियर ने अपनी फिल्म महानति की सक्सेस पार्टी आयोजित की थी। वह इस बात से बेहद खुश थीं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

कर्म हमारे साथ चलते हैं। कर्म के कारण हमारे जीवन में कई परिस्थितियां बनती है। उसी समय हमारे मन में जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि कर्म ही हमारे साथ चलते हैं या और कुछ भी है, जो साथ चलते हैं। भगवान कहते हैं ज्ञान इस भव में उपयुक्त है, परभव में भी साथ देगा। ज्ञान दोनों जगह साथ होगा। आज हमारे समाज में शिक्षा का महत्व बढ़ रहा है। जो व्यवहार की शिक्षा आप लेते हो, वह जीवन पर्यन्त सुखी रखती है। सम्यक् ज्ञान को अपने साथ लिया, तो वह जीवन में साथ देगा। आपको ज्ञान है तो घबराने, डरने की जरूरत नहीं है। ज्ञान और दर्शन इस भव और परभव दोनों जगह साथ में रहते हैं।

मोहनीय कर्म हमारी आध्यात्मिक संपन्नता का मुख्य अवरोधक है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रमाद का त्याग करने वाला मनुष्य अपने जीवन का निर्माण ओर आत्मा का कल्याण करवा सकता है। बुधवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि भगवती सूत्र ऐश्वर्य युक्त है और ऐश्वर्य प्रदान करने वाला है। ऐश्वर्य यानी सर्व संपन्नता से युक्त। मोहनीय कर्म हमारी आध्यात्मिक संपन्नता का मुख्य अवरोधक है। उन्होंने कहा पूरे संसार में नशे का बोलबाला है। नशा व्यक्ति की समृद्धि को नष्ट करने वाला है। वह आत्मशक्ति को नष्ट करने वाला है। मोहनीय कर्म के उदय से बाहरी व्यवहार में उल्टा-पुल्टा कर देता है। मिथ्यात्व मोहनीय कर्म को पहले समाप्त करना होगा, फिर उपशम करके आगे बढ़ सकते हैं। इसके लिए प्रमाद के स्वरूप को छोड़ना जरूरी है।

युवाचार्यश्री ने कहा कि यह शरीर, जहां हमारा जीव रहता है, उसमें 5 इंद्रियां इस जीव को लूटने के लिए तत्पर रहती है। इन इंद्रियों में तल्लीन हो जाना एक तरह से प्रमाद है। यह विषय को कुछ अच्छा लगता है। नशा, इंद्रियों के विषय, कषाय, ये सभी प्रमाद है। प्रमाद का अर्थ होता है जहां व्यक्ति अपने लक्ष्य को भूल जाता है। मोहनीय कर्म का उदय वहां से होता है। प्रमाद हमारे योग, मन-वचन-काया के कारण होता है। आत्मा और योग के संपर्क से होने वाला स्पंदन योग है। ज्ञानियों ने स्पष्ट बता दिया हमें कहां फोकस करना है। योग इस जीव का उत्थान कार्य को पूरा करता है। यह प्रत्येक क्रिया के पीछे रहा हुआ सिस्टम है। उन्होंने कहा जब तक मिथ्यात्व प्रमाद होता है, मोहनीय कर्म का बंध होता है। जब पुरुषार्थ करेंगे, यह कर्म बंध नहीं होगा। हमें समझना होगा कि प्रमाद के कारण हमारा जीव निगोद से कई योनियों में चला है। निगोद से निकलकर हम आज जिस स्थिति में है, उसमें कितना समय लगा होगा। प्रमाद का त्याग करके तभी हम अपनी आत्मा संसार उत्थान करवा पाएंगे।

इस दौरान संगीता बंगाणी ने 10 उपवास के पचक्खाण ग्रहण किया। एक भाई ने 21 उपवास के पचक्खाण ग्रहण किया। धर्मसभा में उदयपुर लोकाशाह जैन संघ के अध्यक्ष कांतिलाल जैन, पूना से मनसुख भाई और जलगांव से युवाचार्य ग्रुप के सदस्यों ने गुरु दर्शनार्थ व वंदनार्थ पधारे। नवकार मंत्र जाप के लाभार्थी मूलचंद दिनेश कुमार मेहता परिवार वेपरी रहे।

बीकानेर एसोसिएशन का सावन मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बीकानेर डिस्ट्रिक्ट जैन एसोसिएशन का सावन मिलन कार्यक्रम एवं शपथ ग्रहण समारोह श्रीपेरंबदूर स्थित तंडलम गांव के द रॉयल चित्रण में आयोजन किया गया। उपाध्यक्ष हनुमान सुखलेचा ने जानकारी दी की एसोसिएशन का यह कार्यक्रम पूरे दिनभर का था जिसमें बीकानेर जिला के सभी जैन परिवारों को निमंत्रित किया गया। पूरे राजस्थानी थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में सभी ने आनन्द लिया। साथ ही जैन मंदिर दर्शन और राजीव गांधी की समाधि स्थल को भी देखा गया। परिवार के सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। मनोरंजक खेलों का भी आयोजन हुआ।

वर्ष 2024-2026 के नव निर्वाचित टीम का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। जिसमें अध्यक्ष संदीप गोलछा, मंत्री सुशील कुमार पुगलिया, कोषाध्यक्ष राजेश गेलडा को पूर्वाध्यक्ष मांगीलाल छल्लानी ने शपथ दिलाई। इसके उपरांत उपाध्यक्ष ने अपनी टीम के उपाध्यक्ष भीकमचंद लुनावत, प्रकाशचंद्र बोथरा, हनुमान सुखलेचा, सुरेंद्र कुमार मालू, सह मंत्री अभय कुमार सेठिया एवं नवरतन सांड, सह कोषाध्यक्ष नवरतन सेठिया के साथ 15 कार्यकारणी सदस्यों को शपथ दिलाई।

2024-2026 के लिए महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका किरण बैद, सह संयोजिका डा. ममता नाहटा, कोषाध्यक्ष ममता बच्चा के साथ 9 समिति सदस्याओं को पूर्व अध्यक्ष विजयराज बैद ने शपथ दिलाई। महिला प्रकोष्ठ के पर्यावेक्षक भीकमचंद लुनावत उपस्थित रहे। इस मौके पर प्रायोजकों का सम्मान किया गया। धन्यवाद ज्ञापन संस्थापक मंत्री नीलेश कुमार बैद ने दिया।

दान, शील, तप और भावना ही असली पूंजी : साध्वी राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। धर्म का पालन नहीं करने वाले मनुष्य पशु के समान हैं और वे अनन्त पुण्य से प्राप्त मनुष्य जीवन को व्यर्थ कर रहे हैं। जैन भवन साहूकार पेट में गतिशील साध्वी राजमतीजी म. सा. ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि सुनने और बोलते समय विवेक रखना चाहिए। विवेकहीन व्यक्ति पशु के समान हैं। विदुषी साध्वी जी ने कहा कि मनुष्य और पशु दोनो में भी चार संज्ञा होती हैं, परन्तु मनुष्य को धर्म का मर्म मालूम होता हैं। और वो चाहे तो उसका आचरण कर सकता है।

उन्होंने कहा कि मनुष्य को धार्मिक कार्यों के लिये बुढापे का इंतजार नहीं करना चाहिए, बुढापे में मनुष्य के अंग शिथिल हो जाते हैं और वह चाहकर भी धर्म करने में असमर्थ हो जाता हैं। उन्होंने कहा कि विवेक हीन प्राणी में क्रोध और अहंकार की भरमार होती हैं, इसलिए मनुष्य विवेकपूर्ण आचरण करना चाहिए। विदुषी महासती जी राजमती जी ने कहा कि मनुष्य को मौत, वृद्धास्था, बीमारी और अनेक प्रकार के दुखों के आने से पहले ही दान, शील, तप और भावना की पूंजी का संग्रहण कर लेना चाहिए।

इसके पूर्व साध्वी विनयश्रीजी ने प्रथम तीर्थंकर ऋषभ देव जी के जीवन का वर्णन करते हुए कहा कि 1000 साल बाद जब भगवान ऋषभ देव वनिता नगरी पधारे तो उनके पुत्र भरत को उसी समय पुत्र रत्न और चक्रवर्ती रत्न की प्राप्ति हुई थी लेकिन उन्होंने लौकिक पर्व मनाने की बजाय तीर्थंकर के आगमन का अलौकिक पर्व मनाया। धर्मसभा का संचालन महामंत्री संजय पीन्चा ने किया।

'ज्ञान, स्वाध्याय व नम्रता के गुणों से परिपूर्ण थे मुनिश्री मोहजितविजय'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधर शान्तिसूरी जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने संभवनाथ भवन में मुनिश्री मोहजितविजयजी के गुणानुवाद सभा के दौरान प्रवचन देते हुए कहा कि शिष्य के हृदय में गुरु स्थान प्राप्त करे वह साधना है लेकिन गुरु के हृदय में शिष्य बस जाए वह सिद्धि है । उनके जीवन का परिचय देते हुए आचार्यश्री ने कहा कि विरासत में ही धर्म के संस्कार मिलने के कारण उनकी परवरिश एक धर्म के वातावरण में हुई। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखकर उनके गुरु आचार्य श्री रामचंद्रसूरीश्वरजी ने प्राथमिक अभ्यास करने के लिए उन्हें काशी स्थित बनारस हिंदू विश्वविद्यालय भेजा। वहां के तत्कालीन उपकुलपति बद्रीनाथ शुक्ल की निगरानी में मुनिप्रवर ने 11 वर्षों का पाठ्यक्रम मात्र 2 वर्ष में पूर्ण कर जैन आगमों, न्याय के ग्रंथों के रहस्यों को उजागर करना शुरू किया। इतनी छोटी उम्र में विद्वता हासिल कर उन्होंने बिना कोई भेदभाव के जैन संघ के सारे समुदायों के आचार्यों, साधु-साध्वी भगवंतों को ज्ञान दान दिया ।

आचार्यश्री ने कहा कि घंटों तक अध्ययन-अध्यापन की प्रवृत्ति में लीन होने के कारण जैन संघ में उन्हें 'पंडित' के उपनाम से बुलाए जाने लगा और दीक्षा के बाद में वे 'पंडित महाराज' के रूप में जाने गए । वे न सिर्फ जैनदर्शन और षड्दर्शन के ज्ञाता थे बल्कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, अर्थतंत्र, विश्व इतिहास, जीवविज्ञान, कॉस्मोलॉजी आदि अनेक विषयों पर महारथ हासिल की थी । जनसंपर्क से कोसों दूर वे सदैव अपनी साधना में मस्त रहते थे और उनके मार्मिक व तार्किक प्रवचनों ने मुंबई व अहमदाबाद जैसे शहरों में वैचारिक क्रांति ला दी थी। जीवन के अंत तक वे जिनेश्वर के वचनों और शास्त्रों के सिद्धांतों के प्रति वफादार रहे और अंत समय में भी अत्यंत शारीरिक वेदना के बीच भी वे मानसिक रूप से जरा सा भी अस्वस्थ नहीं दिखाई दिए और समाधि मरण को प्राप्त किया। इससे पूर्व मुनिश्री मोहजितविजयजी की प्रतिकृति के समक्ष दीप प्रज्वलन, गुरु भक्ति गीत व गुरु वंदन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई ।

जीवन जीने की कला सीखें : साध्वी डॉ प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ मईलापुर में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्री ने धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पापः छिपाने से भी पाप कभी भी छिप कर नहीं रह सकता है। आत्मा और परमात्मा में कर्म का ही भेद है। आत्मा हमेशा ऊपर की तरफ जाती है। सूर्य हमें प्रकाश देता है उसके ऊपर बादल का आवरण आ जायें सूर्य ढँक जाता है उसी प्रकार हमारी आत्मा के ऊपर कर्म आ जायें तो हमारी आत्मा ढँक जायेंगी। हमारी आत्मा से परमात्मा बन सकती है। हम आत्मा के ऊपर 18 पाप लगे हुए है। जीवन में एक पाप भी आ जायें तो हमें निगोद की और लेकर जाती है। पाप कभी भी छिप कर नहीं रह सकता हैं वह एक दिन उदय में जरूर आयेंगे। आज के जाप लाभार्थी गौतमचंद, हितेन्द्रकुमार, योगेन्द्र सुराणा परिवार रहे।

'पैर बचाओ, चलते रहो अभियान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एमवी हॉस्पिटल फॉर डायबिटीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य चिकित्सक डॉ. विजय विश्वनाथन और प्रोफेसर एम विश्वनाथन डायबिटीज रिसर्च सेंटर रॉयपुरम ने 2022 में पूरे भारत में नेशनल रिसर्च सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया के साथ मिलकर एक राष्ट्रीय अभियान 'पैर बचाओ, चलते रहो अभियान' चलाया, जो दुनिया में डायबिटीज देखभाल पेशेवरों का सबसे बड़ा संगठन है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मधुमेह से पीड़ित लोगों में सुरक्षात्मक संवेदना की हानि के लिए पैर का आकलन करना था ताकि शुरुआती चरण में न्यूरोपैथी का पता लगाया जा सके और मधुमेह के पैर की जटिलताओं को रोका जा सके। लोगों में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें नियमित पैर मूल्यांकन के बारे में शिक्षित करने के लिए भारत भर के स्वास्थ्य सेवा प्रदाता इस 1 महीने लंबे अभियान में शामिल हुए।

इस अभियान के तहत मधुमेह से पीड़ित कुल 54000 लोगों के पैरों की जांच की गई। डॉ. विजय विश्वनाथन और उनके सह-लेखकों ने बीएमजे ओपन डायब रेस केयर पत्रिका में प्रकाशित लेख में 33259 प्रतिभागियों के आंकड़ों की रिपोर्ट दी।

'मृत्यु जीवन का शाश्वत सत्य है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के कंचगार गली में स्थित मरुधर शांति भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री जितरत्नसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि समाधिमरण का मतलब है अपनी अर्थी को अपनी आंखों से देख लेना। मृत्यु से आँखें मिला लेना। जो व्यक्ति अपनी मौत को अपनी आँखो से देख लेता है मोक्ष का अधिकारी हो जाता है इतना ही नहीं मौत पर हमेशा के लिए विजय पा लेता है। जीवन उत्सव और मृत्यु महोत्सव विषय पर आचार्यश्री ने कहा कि मौत और मोक्ष में सिर्फ इतना ही अन्तर है जो बार-बार आए वह मौत और जो एक वार आए वह मोक्ष। मोक्ष का साधन मौत की पद्चाप सुनता है एवं जागृत होना है। मृत्यु जीवन का शाश्वत सत्य है। पद प्रतिष्ठा मिले ना मिले, धन दौलत मिले ना मिले कोई जरुरी नहीं है। मगर जो जन्मा है वह अवश्य ही मरने वाला है। मृत्यु जीवन का पटाक्षेप है उपसंहार है। मृत्युमात्र दुर्घटना नहीं है। वह तो जीवन का ही एक अंग है। सभा को आचार्य श्री चन्द्ररत्नसागरसूरीजी म.सा. एवं मुनि ज्ञानेशरत्नसागरजी म.सा. ने भी संबोधित किया।

सरकार द्वारा स्कूल के विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बुधवार को साहुकारपेट के विद्यालय ए जी जैन हायर सेकंडरी स्कूल में कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों के मध्य तमिलनाडु सरकार द्वारा नि:शुल्क साइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वार्ड नंबर 57 से द्रमुक पार्षद राजेश जैन रंगीला थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ही हमारे राष्ट्र की भविष्य की नींव हैं। उनकी प्रगति और सफलता ही हमारे समाज की समृद्धि और विकास की कुंजी है। उन्होंने कहा कि सरकार की इस योजना से यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और सभी बच्चे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में अग्रसर हो सकें। इस अवसर पर विद्यालय के पत्राचारक गौतमचंद गोठी, सचिव दलजीत सिंह ढढा, विद्यालय प्रबंध समिति के अनेक सदस्य उपस्थित हो कर सरकार द्वारा चलाए जा रहे इस कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन एन भास्करन एवं स्वागत भाषण अंग्रेजी विभाग के शिक्षक शिव कुमार त्रिपाठी ने किया।

स्व-आलोचना से परमात्मा की श्रेणी में पहुंचा जा सकता है : साध्वीश्री सुधाकंवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुधाकंवरजी म.सा. द्वारा प्रभु महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र के 29 वें अध्ययन के अन्तर्गत पांचवें बोल आलोचना के बारे में कहा कि आलोचना हमें स्व की करनी चाहिये, जबकि हम अधिकतर पर आलोचना में व्यस्त रहते हैं, यही हमारी आत्मा के जीवन पतन का कारण है। पर-आलोचना से हमारे पल पल कर्म बंध होते हैं, जबकि आत्म आलोचना से आत्मा को महात्मा व महात्मा से परमात्मा की श्रेणी में पहुंचाया जा सकता है। साध्वी विजयप्रभाजी व साधनाश्रीजी ने महारानी सोहन के जीवन चरित्र को मधुर पद्यों में गाकर सभी आल्हादित कर दिया। साध्वी सुयशाजी ने अध्यात्म की नींव जीवन में क्यों और कितनी आवश्यक है इस बारे मे विवेचन करते हुए कई उदाहरणों के द्वारा समझाया कि मनुष्य को क्रोध नहीं करना चाहिए, अमर्यादित होने से क्रोध आता है और अनियन्त्रित होने से जीवन को दु:खी कर देता है, सुरक्षित व आनंदित जीवन के लिए मर्यादाएं होना आवश्यक है।अध्यक्ष आनंद कुमार नाहर ने द्विदिवसीय जाप व आंयबिल दिवस की की सफलता हेतु सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

'बांटना त्याग है और त्याग आत्मा की प्रगति में सहायक होता है'

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि द्वेष मन की गंदगी है। यह दावनल की तरह फैलता है और जरा सा निमित्त पाकर भड़क जाता हैं। द्वेष विषादवर्धक हैं जो सारे विवेक को खत्म कर देता है। आवश्यक सूत्र पर जारी प्रवचन श्रृंखला में मुनिश्री ने कहा कि राग गलत नहीं है। राग से हम सकारात्मक पहल कर सकते हैं। राग हमें बांटना सिखाता है। बांटने में खुशी होनी चाहिए। संग्रह वृत्ति संकुचित और स्वार्थी विचारधारा है। बांटना त्याग है और त्याग आत्मा की प्रगति में सहायक होता है। त्याग से प्रमोद भाव बढ़ता है और मूर्च्छा भाव को कमजोर करता है। अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत जीवन उन्नति के सिद्धांत है। अपरिग्रह हमे भार मुक्त करता है। प्रसन्न मांडोत ने सभा का संचालन किया।

महान व तपस्वी साध्वी हैं अर्चनाश्री : साध्वीश्री आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में विराजित साध्वी धैर्याश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि कोई व्यक्ति का अनादर हो जाता है तो वह भी दूसरे का अनादर करता है। पर ज्ञानी वह होता है जो अपने जीवन में परिवर्तन लाता है। संकल्प लेता है कि मुझे भी अपने जीवन को धन्य बनाना है।

साध्वी आगमश्रीजी ने कहा कि सावन माह में जन्मे हुए शूरवीर होते है। यह माह अपने आप में अनूठा होता है, जहां नैसर्गिक छठा होती है। ऐसे ही मनभावन ऋतु में बार्शी पर साध्वीश्री अर्चनाश्रीजी म सा का जन्म महान आत्मा माता इचरजबाईजी पिता संपतराज कांकरिया परिवार में हुआ। उनके जीवन की घटनाओं का वर्णन करते हुए उन्हें महान साध्वी बताया।

साध्वी अर्चनाश्रीजी आज श्रमण संघ को सुशोभित कर ज्ञान ध्यान अध्यात्म की धारा बहा रही है। उनके जन्मोत्सव पर उन्हें शुभकामनाएं तथा अनेक महिलाओं ने दया व सेवा कार्य का आयोजन किया। अशोक बांठिया ने संचालन करते हुए बताया कि हीराबाग जैन स्थानक के प्रांगण में स्वतंत्र दिवस का आयोजन किया जाएगा।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.